लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश

प्रश्न बैंक

(विद्यार्थियों हेतु अध्यापन सामग्री)

सत्र : 2020–21

कक्षा : 10वीं

विषयः हिन्दी

कार्यालय, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र. भोपाल

ब्लू प्रिन्ट (प्रश्न पत्र का स्वरूप)

BLUE PRINT OF QUESTION PAPER

परीक्षाः हाईस्कूल–2019–20

कक्षा : X

विषय : हिन्दी विशिष्ट

पूर्णांक : 100

समय : 3 घंटे

क्रं.	पाठ्यक्रमानुसार इकाईयां	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या					कुल प्रश्न
			1 अंक	2	3	4	5	10	
1.	पद्य खण्ड – पद्य साहित्य का विकास, कवि परिचय, व्याख्या, सौन्दर्य बोध, तथा भाव एवं विषय वस्तु पर आधारित प्रश्न	4+23 =27	5	5	–	3	–	–	8
2.	गद्य खण्ड–गद्य की विधाऐं,लेखक परिचय, व्याख्या, विषय वस्तु एवं विचार बोध पर प्रश्न	4+19 =23	5	3	–	3	–	–	6
3.	सहायक वाचन–विविध पाठों पर आधारित प्रश्न, आंचलिक भाषा के पाठों में से प्रश्न	10	5	1	1	–	–	–	2
4.	भाषा बोध – संधि समास भेद सहित, वाक्य के प्रकार (अर्थ के आधार पर) वाक्य परिवर्तन, अनेक शब्द के लिए एक शब्द	10	5	1	1	–	–	–	2
5.	काव्य बोध–काव्य परिभाषा, भेद, मुक्तक काव्य, प्रबंध काव्य, (महाकाव्य, खण्ड काव्य) रस–परिभाषा, अंग, भेद, उदाहरण, अलंकार–वक्रोक्ति, अतिशयोक्ति, अन्योक्ति, छंद– गीतिका, हरिगीतिका, उल्लाला, रोला	10	5	1	1	–	–	–	2
6.	अपठित बोध –	5	–	–	–	–	1	–	1
7	पत्रलेखन	5	–	–	–	–	1	–	1
8.	निबन्ध लेखन – अ–किसी एक विषय पर निबंध ब–किसी अन्य विषय की रूपरेखा	10	–	–	–	–		1	1
	योग	100	25	22	9	24	10	7+3= 10	23+5 =28

निर्देशः– वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रश्नपत्र के आरंभ में दिये जायेंगे।

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, एक वाक्य में उत्तर, मेचिंग, सही विकल्प तथा सत्य–असत्य का चयन आदि के प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न में(1X5X5=25) अंक निर्धारित है।
2. प्रश्न क्र. 6 से 28 प्रश्न तक प्रत्येक प्रकार के प्रश्नों की उत्तर सीमा निम्नानुसार रहेगी।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न	2 अंक	लगभग 30 शब्द
लघु उत्तरीय प्रश्न	3 अंक	लगभग 75 शब्द
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	4 अंक	लगभग 120 शब्द
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	5 अंक	लगभग 150 शब्द
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	10 अंक	लगभग 250 शब्द (7+3=10)

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में विकल्प का प्रावधान रखा जायेगा। यह विकल्प समान इकाई से तथा समान कठिनाई स्तर वाले होंगे।
4. कठिनाई स्तर – 40%, सरल प्रश्न, 45% सामान्य प्रश्न, 15%कठिन प्रश्न

परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न-पत्र 2020-21

विषय-हिन्दी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न- (1 अंक के प्रश्न)

प्रश्न-1 निम्नलिखित कथनों के सही विकल्प चुनकर लिखिए-

(1) छायावादी युग के प्रवर्तक हैं-
(अ) जयशंकर प्रसाद (ब) श्रीधरपाठक (स) सुमित्रानंदन पंत (द) रामचन्द्र शुक्ल

(2) मैथिलीशरण गुप्त की रचना है-
(अ) सुमन (ब) मंजूषा (स) समर्पण (द) पंचवटी

(3) सूरदास भक्त हैं-
(अ) राम के (ब) शिव के (स) कृष्ण के (द) ब्रह्म के

(4) आधुनिक मीरा के नाम से प्रसिद्ध हैं-
(अ) ऊषा प्रियंवदा (ब) सुभद्रा कुमारी चौहान (स) महादेवी वर्मा (द) रजनी पनिकर

(5) प्रकृति के सुकुमार कवि कहलाते हैं-
(अ) निराला (ब) पन्त (स) प्रसाद (द) महादेवी वर्मा

(6) सूर के पदों की भाषा है-
(अ) ब्रज (ब) अवधी (स) हिन्दी (द) बुन्देलखण्डी

(7) कवि ने बादलों को कहाँ घिरते देखा है-
(अ) अमल धवल गिरि पर (ब) तालाब में (स) चट्टानों में (द) बागों में

(8) 'सूरसागर' के रचयिता हैं-
(अ) मीराबाई (ब) तुलसीदास .(स) सूरदास (द) कबीरदास

(9) 'पथ की पहचान' कविता के रचनाकार हैं-
(अ) रामधारी सिंह 'दिनकर' (ब) जयशंकर प्रसाद (स) रामनरेश त्रिपाठी (द) हरिवंशराय बच्चन

(10) बूढ़े किसान ने राष्ट्रपति को उपहार में भेंट किया-
(अ) फल (ब) मिठाई (स) रुपया (द) शहद

(11) स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी पंजाब केसरी थे-
(अ) लाला लाजपत राय (ब) भामाशाह (स) हेमू राव (द) मुहम्मद शाह

(12) लोक संस्कृति का जन्म हुआ-
(अ) शहरों मे (ब) गाँवों में (स) कस्बों में (द) विद्यालयों में

(13) देवगढ़ रियासत के दीवान पद के प्रत्याशियों ने खेल खेला-
(अ) हॉकी (ब) बॉलीबाल (स) शतरंज (द) फुटबॉल

(14) उपन्यास सम्राट हैं-
(अ) महादेवी वर्मा (ब) उदयशंकर भट्ट (स) वृन्दावन लाल वर्मा (द) प्रेमचन्द

(15) सुश्रुत के चिकित्सा ग्रंथ का नाम है-
(अ) चिकित्सा संहिता (ब) चरम संहिता (स) सुश्रुत संहिता (द) स्वास्थ्य संहिता

(16) स्वामी विवेकानन्द से मार्गरेट की पहली भेंट हुई थी-
(अ) इंग्लैण्ड (ब) अमेरिका (स) जापान (द) चीन

Scanned with CamScanner

(17) भगिनी निवेदिता पर लिखा गया 'संस्मरण' के लेखक है।-
(अ) अजहर हाशमी (ब) कुम्हार (स) डॉ. श्याम सुन्दर दुबे (द) प्रवाजिका

(18) हवा से भी तेज चलने वाला कौन है-
(अ) तितली (ब) मन (स) मस्तिष्क (द) मक्खी

(19) श्रृंगार रस का स्थायी भाव है-
(अ) रौद्र (ब) रति (स) निर्वेद (द) अद्भुत

(20) गीता में परं का अर्थ है-
(अ) बड़ा (ब) अन्य (स) परमात्मा (द) विशाल

(21) जो दूसरों का उपकार मानता हो, के लिए एक शब्द है-
(अ) कृत्घ्न (ब) उदार (स) निष्ठुर (द) कृतज्ञ

(22) सर्वाधिक लोकप्रिय महाकाव्य है-
(अ) रामचरितमानस (ब) कामायनी (स) साकेत (द) पद्मावत

(23) सब कुछ जानने वाले को कहा जाता है-
(अ) जानकार (ब) ज्ञानी (स) सर्वज्ञ (द) बहुज्ञानी

(24) 'चौराहा' में समास है-
(अ) द्वन्द्व (ब) तत्पुरुष (स) द्विगु (द) अव्ययी भाव

(25) हिमालय की झीलों में कवि नागार्जुन ने तैरते हुए देखा है-
(अ) मछली को (ब) बकरी (स) हंसों को (द) मेढ़क को

(26) माता पिता में समास है-
(अ) तत्पुरुष (ब) द्वन्द्व (स) द्विगु (द) अव्ययी भाव

(27) चौपाई छंद में मात्राएँ होती हैं-
(अ) 12 (ब) 14 (स) 16 (द) 24

(28) नि:+चय=निश्चय में कौन सी संधि का उदाहरण है-
(अ) विसर्ग (ब) स्वर (स) व्यंजन (द) दीर्घ स्वर

(29) हिमालय से क्या आ रही है-
(अ) पुकार (ब) हुंकार (स) दुत्कार (द) चित्कार

(30) निंदा की प्रवृत्ति बढ़ती है-
(अ) अधिक सोने से (ब) कर्मक्षीण होने पर (स) ज्यादा खाने पर (द) गीत गाने पर

(31) कवि ने बादलों को कहाँ घिरते देखा है-
(अ) अमल धवल गिरि पर (ब) तालाब में (स) चट्टानों पर (द) बागों में

(32) ईश्वर पर विश्वास करने वाले को कहा जाता है-
(अ) ईश्वरीय (ब) सेवक (स) आस्तिक (द) नास्तिक

उत्तर- (1) जयशंकर प्रसाद (2) पंचवटी (3) कृष्ण (4) महादेवी वर्मा (5) पन्त (6) ब्रज (7) अमलधवल गिरि पर (8) सूरदास (9) हरिवंशराय 'बच्चन' (10) शहद (11) लाला लाजपत राय (12) गाँवों में (13) हॉकी (14) प्रेमचन्द (15) सुश्रुत संहिता (16) इंग्लैण्ड (17) प्रवाजिका आत्मप्राणा (18) मन (19) रति (20) परमात्मा (21) कृतज्ञ (22) रामचरितमानस (23) सर्वज्ञ (24) द्विगु (25) हंसों को (26) द्वन्द्व (27) 16 (28) विसर्ग (29) पुकार (30) कर्मक्षीण होने पर (31) अमल धवल गिरि पर (32) आस्तिक

Scanned with CamScanner

प्रश्न-2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(1) जयशंकर प्रसाद ने ..... महाकाव्य की रचना की। (कामायनी/पद्मावत)
(2) बिहारी की रचना ..... है। (जगत-विनोद/बिहारी सवसई)
(3) विरह और वेदना की कवयित्री ..... है। (महादेवी वर्मा/सुभद्रा कुमारी चौहान)
(4) हिमालय की झीलों में कवि नागार्जुन ने ..... को तैरते हुए देखा है। (हंसों को/मछली को)
(5) साधु की जाति नहीं पूछना चाहिए, उसका ..... पूछना चाहिए। (धर्म/ज्ञान)
(6) 'रिपोर्ताज' मूल रूप से ..... भाषा का शब्द है। (फ्रेंच/फारसी)
(7) कहानी सम्राट .....को कहा जाता है। (जयशंकर प्रसाद/मुंशी प्रेमचंद)
(8) साक्षात्कार गद्य की ..... विधा है। (गौण/मुख्य)
(9) ..... को हमारे देश के लेखकों ने सोलह कला का अवसतार कहा है। (कृष्ण/राम)
(10) 'द्वैपायन कृष्ण' को देश ..... के नाम से जानता है। (महर्षि वेदव्यास/कृष्ण)
(11) स्वामी रामतीर्थ ..... गये थे। (जापान/चीन)
(12) 'परीक्षा' कहानी के लेखक ..... हैं। (प्रेमचंद/रामवृक्ष बेनीपुरी)
(13) अमरकंटक की केन्द्रीय सत्ता तो .....है। (नर्मदा/सोन)
(14) माई की बगिया में ..... के फूल खिलते हैं। (गेंदा/गुलाब कावली)
(15) निन्दा का उद्गम ..... से होता है। (हीनता/दीनता)
(16) नकुल की माता का नाम ..... था। (कुन्ती/माद्री)
(17) संधि ..... प्रकार की होती है। (तीन/दो)
(18) द्विगु समास का उदाहरण ..... है। (पंचवटी/माता-पिता)
(19) अर्थ की दृष्टि से वाक्य के प्रकार ..... हैं। (पंचवटी/माता पिता)
(20) जिसके प्रति स्थायी भाव उत्पन्न हो, वह ..... कहलाता है। (उद्दीपन/आलम्बन)
(21) दोहा और रोला छन्द मिलकर ..... छन्द बनता है। (छप्पय/कुण्डलियाँ)
(22) आधुनिक हिन्दी साहित्य के जन्मदाता ..... है। (आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी/भारतेन्दु हरिशचन्द्र)
(23) पद्माकर ..... के प्रमुख कवियों में से एक हैं। (रीतिकाल/भक्तिकाल)
(24) 'वीरों का कैसा हो बसंत' कविता में ..... रस की प्रधानता है। (वीर/हास्य)
(25) सूरदास ..... के प्रमुख कवि हैं। (कृष्ण भक्ति/राम भक्ति)
(26) कामायनी ..... है। (महाकाव्य/खण्ड काव्य)
(27) श्रृंगार रस का स्थायी भाव ..... है। (हास/रति)
(28) आधुनिक मीरा के नाम से ..... को जाना जाता है। (सुभद्रा कुमारी चौहान/महादेवी वर्मा)
(29) द्विगु समास का उदाहरण ..... है। (गजानन/पंचवटी)
(30) पद्माकर ..... के प्रमुख कवियों में से है। (भक्ति काल/रीति काल)
(31) नर्मदा के उत्स कुण्ड से थोड़ा सा ..... चलने पर माई की बगिया है। (नीचे/ऊपर)
(32) रसोईघर ..... समास का उदाहरण है। (तत्पुरुष/कर्मधारय)
(33) नीति काव्य ..... जीवन व्यवहार को ..... बनाने का आधार है। (सुगम/दुर्गम)
(34) कलकत्ता में ..... फैला था। (प्लेग/पीलिया)
(35) आधुनिक हिन्दी कविता का प्रारंभ संवत्..... से माना जाता है। (1900/1850)
(36) रिपोतार्ज मूल रूप से ..... भाषा का शब्द है। (फ्रेंच/अंग्रेजी)

Scanned with CamScanner

उत्तर- (1) कामायनी (2) बिहारी सतसई (3) महादेवी वर्मा (4) हंसों को (5) ज्ञान (6) फ्रेंच (7) मुंशी प्रेमचन्द (8) गौण (9) कृष्ण (10) महर्षि वेदव्यास (11) जापान (12) प्रेमच ा (13) नर्मदा (14) गुलबकावली (15) हीनता (16) माद्री (17) तीन (18) पंचवटी (19) आठ (20) आलम्बन (21) कुण्डलियाँ (22) भारतेन्दु हरिशचन्द्र (23) रीतिकाल (24) वीर (25) कृष्ण भक्ति (26) महाकाव्य (27) रति (28) महादेवी वर्मा (29) पंचवटी (30) रीति काल (31) ऊपर (32) तत्पुरुष (33) सुगम (34) प्लेग (35) 1900 (36) फ्रेंच

प्रश्न-3 निम्नलिखित वाक्यों में सत्य/असत्य लिखिए-

(1) सूरदास वात्सल्य रस के सम्राट हैं।
(2) गाँव का आदमी निरक्षर भले ही हो लेकिन सुसंस्कृत होता है।
(3) नर्मदा का उद्गम स्थल नासिक है।
(4) 'लोकायतन' के रचयिता सूरदास है।
(5) स्वामी रामतीर्थ एक बार जापान गए थे।
(6) 'करूण रस' का स्थायी भाव 'शोक' है।
(7) गेहूँ मनुष्य की भूख एवं शारीरिक आवश्यकता का प्रतीक है।
(8) "जो कभी नहीं मरता" वह अमर कहलाता है।
(9) प्रबन्ध काव्य में पूर्वापर सम्बन्ध नहीं होता है।
(10) दीपक अंधकार को मिटाता है।
(11) निंदक समाज में सम्मान के पात्र होते हैं।
(12) 'निन्दा रस' व्यंग्य निबंध है।
(13) श्रीकृष्ण को सोलह कलाओं का अवतार माना जाता है।
(14) रियासत का नया दीवान पण्डित जानकीनाथ को बनाया गया।
(15) नदियाँ आगे चलकर सागर में परिवर्तित हो जाती है।
(16) 'विनय-पत्रिका' तुलसीदास की रचना है।
(17) बालक राम चन्द्रमा को माँगने की हठ करते हैं।
(18) 'रात-दिन' द्विगु समास का उदाहरण है।
(19) शब्दों के सार्थक समूह को वाक्य कहते हैं।
(20) स्वामी रामतीर्थ एक बार जापान गए थे।
(21) नर्मदा का उद्गम स्थल अमरकंटक है।
(22) लोक संस्कृति का जन्म शहर में हुआ।
(23) कृष्ण को सोलह कलाओं का अवतार कहा गया है।
(24) गेंहूँ मनुष्य की भूख और शारीरिक आवश्यकता का प्रतीक है।
(25) सूरदास वात्सल्य रस के सम्राट है।
(26) रात-दिन द्विगु समास का उदाहरण है।
(27) विनय पत्रिका तुलसीदास की रचना है।
(28) शल्य चिकित्सा के जनक सुश्रुत हैं।
(29) वीर रस का स्थायी भाव क्रोध है।
(30) रामचरित मानस का प्रमुख छंद चौपाई है।
(31) निंदक समाज में सम्मान के पात्र होते हैं।

Scanned with CamScanner

(32) जो कभी नहीं मरता वह अमर कहलाता है।

(33) प्रबन्ध काव्य में पूर्वापर सम्बन्ध नहीं होता है।

(34) नाटक दृश्य काव्य है।

उत्तर- (1) सत्य (2) सत्य (3) असत्य (4) असत्य (5) सत्य (6) सत्य (7) सत्य (8) सत्य (9) असत्य (10) सत्य (11) असत्य (12) सत्य (13) सत्य (14) सत्य (15) सत्य (16) सत्य (17) सत्य (18) असत्य (19) सत्य (20) सत्य (21) सत्य (22) असत्य (23)सत्य (24) सत्य (25) सत्य (26) असत्य (27) सत्य (28) सत्य (29) असत्य (30) सत्य (31) असत्य (32) सत्य (33) असत्य (34) सत्य

प्रश्न-4 सही जोड़ी बनाइए-

(1)

	खण्ड-क			खण्ड-ख
(1)	चाँदनी चमकती है गंगा बहती जाती है	-	(अ)	महादेवी वर्मा
(2)	'वीरों का कैसा हो बसंत'	-	(ब)	नागार्जुन
(3)	'चिर सजग आँखे उनींदी'	-	(स)	त्रिलोचन
(4)	'पथ की पहचान'	-	(द)	सुभद्रा कुमारी चौहान
(5)	'बादल को घिरते देखा है'	-	(य)	हरिवंशराय बच्चन

उत्तर- (अ) त्रिलोचन (ब)सुभद्रा कुमारी चौहान (स) महादेवी वर्मा (द) हरिवंशराय बच्चन (य) नागार्जुन

(2)

	खण्ड-क			खण्ड-ख
(1)	मातृभूमि का मान	-	(अ)	मैं और मेरा देश
(2)	कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर	-	(ब)	एकांकी
(3)	गेहूँ और गुलाब	-	(स)	संस्मरण
(4)	मेरे गाँव की सुख और शांति किसने छीन ली?	-	(द)	रामवृक्ष बेनीपुरी
(5)	श्रीकृष्ण के गुरु	-	(य)	वेदव्यास
		-	(र)	सांदीपनि

उत्तर- (अ) एकांकी (ब) मैं और मेरा देश (स) रामवृक्ष बेनीपुरी (द) संस्मरण (य) सांदीपनि

(3)

	खण्ड-क			खण्ड-ख
(1)	प्रसिद्ध आंचलिक उपन्यासकार	-	(अ)	रेखाचित्र
(2)	महादेवी वर्मा	-	(ब)	प्रेमचन्द
(3)	नाटक में	-	(स)	फणीश्वरनाथ 'रेणु'
(4)	"गोदान" उपन्यास के रचयिता	-	(द)	डॉ. रामकुमार वर्मा
(5)	दीपदान	-	(य)	अनेक अंक होते हैं

उत्तर- (अ) फणीश्वरनाथ रेणु (ब) रेखाचित्र (स) अनेक अंक होते हैं (द) प्रेमचन्द (य) डॉ. रामकुमार वर्मा

(4)

	खण्ड-क			खण्ड-ख
(1)	नर्मदा	-	(अ)	पुतला
(2)	सुश्रुत संहिता	-	(ब)	अजहर हाशमी
(3)	भगिनी निवेदिता	-	(स)	अमरकंटक
(4)	छल का धृतराष्ट्र आलिंगर करे तो आगे बढ़ाना चाहिए	-	(द)	शल्य चिकित्सा
(5)	बेटियाँ पावन दुआएँ हैं	-	(य)	मार्गरेट एलिजाबेथ नोबुल

Scanned with CamScanner

उत्तर- (अ) अमरकंटक (ब) शल्य चिकित्सा (स) मार्गरेट एलिजाबेथ नोबुल (द) पुतला (य) अजहर हाशमी

(5)

खण्ड-क		खण्ड-ख
(1) विद्यालय	-	(अ) 33
(2) अतिश्योक्ति अलंकार	-	(ब) स्वर संधि
(3) कम जानने वाला	-	(स) लोकसीमा का उल्लंघन
(4) देशभक्ति	-	(द) अल्पज्ञ
(5) संचारी भावों की संख्या	-	(य) तत्पुरुष

उत्तर- (अ) स्वर संधि (ब) लोकसीमा का उल्लंघन (स) अल्पज्ञ (द) तत्पुरुष समास (य) 33

(6)

खण्ड-क		खण्ड-ख
(1) अतिश्योक्ति अलंकार	-	(अ) अल्पज्ञ
(2) कम जानने वाला	-	(ब) रेखांकित
(3) जिसके नीचे रेखा खींची गई हो	-	(स) सांदीपनि
(4) रामचरितमानस	-	(द) लोकसीमा का उल्लंघन
(5) श्रीकृष्ण के गुरु	-	(य) महाकाव्य

उत्तर- (अ) महाकाव्य (ब) अल्पज्ञ (स) रेखांकित (द) महाकाव्य (य) सांदीपनि

(7)

खण्ड-क		खण्ड-ख
(1) नाटक	-	(अ) तुर्की के राष्ट्रपति
(2) कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर	-	(ब) सोलह कलाओं का अवतार
(3) कृष्ण	-	(स) अनेक अंक होते हैं
(4) संधि का तोड़ना	-	(द) मैं और मेरा देश
(5) महान कमलपाशा	-	(य) विच्छेद

उत्तर- (अ) अनेक अंक होते हैं (ब) मैं और मेरा देश (स) सोलह कलाओं का अवतार (द) अनेक अंक होते है (य) तुर्की के राष्ट्रपति

(8)

खण्ड-क		खण्ड-ख
(1) विद्यालय	-	(अ) रामचरितमानस
(2) बेटियों पावन दुआएँ हैं	-	(ब) 24 मात्राएँ
(3) बैठ जाओ	-	(स) अजहर हाशमी
(4) सर्वाधिक लोकप्रिय महाकाव्य	-	(द) स्वर संधि
(5) रोला	-	(य) आज्ञावाचक वाक्य

उत्तर- (अ) स्वर संधि (ब) अजहर हाशमी (स) आज्ञावाचक वाक्य (द) रामचरित मानस (य) 24 मात्राएँ

प्रश्न-5 एक शब्द अथवा एक वाक्य में उत्तर दीजिए-

(1) बिना विचारे कार्य करने से क्या होता है?

(2) साधु से क्या नहीं पूछना चाहिए?

(3) गुण लाख रुपये में कब बिकता है?

(4) पद में मीठे फल का आनंद लेने वाला कौन है?

(5) अवगुणों पर ध्यान न देने के लिए सूरदास ने किससे प्रार्थना की है?

(6) सखी प्रात:काल किसके द्वार पर जाती है?

(7) श्रीकृष्ण के माथे पर लगे टीके की तुलना किससे की गई है?

(8) गोपाल के कुण्डलों की आकृति कैसी है?

Scanned with CamScanner

(9) कोयल को उसके किस गुण के कारण पसन्द किया जाता है?
(10) बसन्त के आने पर कौन तान भरने पसन्द किया जाता है?
(11) प्रत्येक सफल राहगीर क्या लेकर आगे बढ़ा है?
(12) आसमान में किस तरह के बादल उड़ रहे थे?
(13) गीता शास्त्र के महान उपदेश कौन हैं
(14) ललित कलाओं का स्वभाव कैसा होता है?
(15) स्थित प्रज्ञता कैसे प्राप्त होती है?
(16) सुजान सिंह कौन थे?
(17) गाड़ी पर किसान के वेश में कौन था?
(18) महाराणा लाखा वीर सिंह के किस गुण से प्रसन्न हुए?
(19) मुट्ठी भर हाड़ाओं ने किसे पराजित किया था?
(20) लेखक ने संगीत का जन्म किससे माना है?
(21) किस चीज को गँवाकर मनुष्य धनी बनता है?
(22) निन्दा करने वाला क्या कहलाता है?
(23) कौन स्वयं जलकर भी दूसरों को प्रकाश देता है?
(24) नायक के सम्पूर्ण जीवन का चित्रण किस काव्य में मिलता है?
(25) जहाँ नायक-नायिका के विरह का वर्णन हो, वहाँ कौन सा रस होगा?
(26) सूरदास की काव्य भाषा क्या है?
(27) साधु से क्या नहीं पूछना चाहिये?
(28) "ईश्वर के अनेकों नाम हैं" वाक्य को शुद्ध कीजिए।
(29) चलने के पूर्व बटोही को क्या करना चाहिये?
(30) एकांकी में कितने अंक होते हैं?
(31) जिसके समान दूसरा न हो?
(32) जहाँ नायक-नायिका का विरह वर्णन हो वहाँ कौन सा रस होगा?
(33) स्थायी भाव के उत्पन्न होने के कारणों को क्या कहते हैं?
(34) जगन्नाथ का संधि विग्रह होगा?
(35) अमरकंटक शब्द संस्कृति के किस शब्द से बना है?
(36) विदेश जाने पर कौन साथ देता है?
(37) निंदा रस के लेखक कौन हैं?
(38) ईद का चाँद होना का क्या अर्थ है?
(39) रस के कितने अंग है?
(40) द्वंद्व के प्रकार लिखिए।
(41) मानव को मानव किसने बनाया?
(42) लोक संस्कृति का जन्म कहाँ हुआ?
(43) ललित कलाओं का स्वभाव कैसा होता है?

उत्तर- (1) पश्चाताप करना पड़ता है। (2) जाति
(3) जब गुण को उसका पारखी ग्राहक मिल जाता है तो गुण लाख रुपये में बिकता है। (4) गूँगा व्यक्ति

Scanned with CamScanner

(5) भगवान श्रीकृष्ण
(6) राजा दशरथ
(7) रवि
(8) मछली
(9) मधुर स्वर के कारण
(10) कोयल
(11) विश्वास लेकर
(12) झीने-झीने, कजरारे, चंचल बादल
(13) श्रीकृष्ण
(14) फूल जैसा सहज
(15) इंद्रिय और मन विषयों से अनासक्त ही हो जाते हैं, तब स्थित प्रज्ञता प्राप्त होती है।
(16) देवगढ़ रियासत के दीवान
(17) सरदार सुजान सिंह
(18) वीरता देखकर
(19) महाराणा प्रताप
(20) श्रम
(21) अहंकार
(22) निन्दक
(23) दीपक
(24) महाकाव्य में
(25) वियोग श्रृंगार
(26) व्रज
(27) उसकी जाति
(28) ईश्वर के अनेक नाम हैं
(29) पथ की पहचान
(30) एक
(31) अद्वितीय
(32) वियोग श्रृंगार
(33) विभाव
(34) जगत्+नाथ
(35) आम्रकूट
(36) विधा
(37) हरिशंकर परसाई
(38) बहुत दिनों बाद दिखाई देना
(39) चार
(40) दो (अ) मात्रिक (ब) वर्णिक
(41) मानव को मानव गुलाब ने बनाया।
(42) लोक संस्कृति का जन्म गाँव में हुआ।
(43) ललित कलाओं का स्वभाव फूल की तरह होता है।

प्रश्न-6 2 अंक के प्रश्न-

(1) पारस में कौन सा गुण पाया जाता है?

उत्तर- पारस में यह गुण पाया जाता है कि वह लोहे को छूकर शुद्ध सोना बना देता है।

(2) ईश्वर ने रोगों को दूर करने के लिए मनुष्य को क्या दिया है?

उत्तर- ईश्वर ने रोगों को दूर करने के लिए मनुष्य को औषधियाँ दी हैं।

(3) बालक राम किस वस्तु को माँगने की हठ करते हैं?

उत्तर- बालक राम चन्द्रमा को माँगने की हठ करते हैं।

(4) तुलसीदास जी के मन-मंदिर में सदैव कौन विहार करता रहता है?

उत्तर- तुलसीदास जी के मन-मंदिर में अवध के राजा दशरथ के चारों बच्चे सदैव विहार करते रहते हैं।

(5) श्रीकृष्ण के हृदय पर किसकी माला शोभा पा रही है?

उत्तर- श्रीकृष्ण के हृदय पर गुंजाओं की माला शोभा पा रही है।

(6) व्यक्ति सम्मान के योग्य कब बन जाता है?

उत्तर- कोई भी व्यक्ति मात्र उच्च पद पाने से सम्मानीय नहीं हो जाता है बल्कि दूसरों की भलाई करने से ही वह सम्मान के योग्य होता है। परहित ही व्यक्ति को सम्मानित बनाता है।

(7) भारतेन्दु के अनुसार भारत की दुर्दशा का प्रमुख कारण क्या है?

उत्तर- भारतेन्दु के अनुसार भारत की दुर्दशा का प्रमुख कारण आपसी बैर तथा फूट है।

Scanned with CamScanner

(8) कवि नागार्जुन ने बादलों को कहाँ घिरते देखा है?

उत्तर- कवि नागार्जुन ने बादलों को स्वच्छ श्वेत पर्वत-शिखरों पर घिरते देखा है।

(9) कौन अपनी अलख नाभि से उठने वाले परिमल के पीछे-पीछे दौड़ता है?

उत्तर- कस्तूरी मृग अपनी अलख नाभि से उठने वाली परिमल के पीछे-पीछे दौड़ता है।

(10) सभी दिशाएँ क्या पूछ रही है?

उत्तर- सभी दिशाएँ पूछ रही है कि वीरों का बसन्त कैसा हो?

(11) किससे अंग-अंग पुलकित हो रही है?

उत्तर- वसुधा रूपी वधू के अंग-अंग पुलकित हो रही है।

(12) लोहा किसकी श्वाँस से भस्म हो जाता है?

उत्तर- लोहा मरी पशु की खाल को श्वाँस से अर्थात् धौकनी से भस्म हो जाता है।

(13) भक्ति किस प्रकार के प्राणियों से नहीं हो सकती है?

उत्तर- भक्ति कामी, लोभी और लालची प्राणियों से नहीं हो सकती है।

(14) तितलियों के रंग से कवि का क्या तात्पर्य है?

उत्तर- तितलियों के रंग से कवि का तात्पर्य रंग-बिरंगे वस्त्राभूषणों से सुसज्जित चंचल बालाओं से है।

(15) नाटक के कितने तत्व माने गये हैं?

उत्तर- 1. कथावस्तु 2. पात्र 3. संवाद 4. देशकाल, वातावरण 5. उद्देश्य 6. भाषा-शैली 7. अभिनेयता आदि नाटक के तत्व माने गये हैं।

(16) हिन्दी की प्रथम कहानी का नाम एवं उसके कहानीकार का नाम लिखिए।

उत्तर- हिन्दी की प्रथम कहानी 'इन्दुमती' मानी गई है। इसके कहानीकार किशोरीलाल गोस्वामी है।

(17) रेखाचित्र किसे कहते हैं?

उत्तर- प्रत्यक्ष अनुभव की गई अतीत की घटना, स्थिति, व्यक्ति आदि का चित्रात्मक गद्य में अंकन रेखाचित्र कहलाता है।

(18) हिन्दी के प्रमुख दो रेखाचित्र लेखकों एवं उनकी एक-एक कृति का नाम लिखिए।

उत्तर- 1. महादेवी वर्मा-गिल्लू 2. रामवृक्ष बेनीपुरी-माटी की मूरतें

(19) 'रिपोर्ताज' किसे कहते हैं? उनकी प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- 'रिपोर्ताज' में लेखक किसी आयोजन, घटना, संस्था आदि का स्वाभाविक एवं कलात्मक विवरण प्रस्तुत करता है। सरलता, सरसता, कलात्मकता, मार्मिकता रिपोर्ताज की प्रमुख विशेषताएँ हैं।

(20) हिन्दी की प्रथम एकांकी का नाम एवं उसके एकांकीकार का नाम लिखए।

उत्तर- हिन्दी की प्रथम एकांकी जयशंकर प्रसाद की 'एक घूँट' को माना गया है।

(21) जापानी युवक ने स्वामी रामतीर्थ को दिये गये फल के मूल्य रूप में क्या माँगा?

उत्तर- जापानी युवक ने स्वामी रामतीर्थ को दिये गये फल के मूल्य के रूप में माँगा कि 'आप अपने देश में जाकर किसी से यह न कहियेगा कि जापान में अच्छे फल नहीं मिलते।'

(22) कृष्ण ने शिशुपाल का वध कर महिष्मति की गद्दी पर किसे बिठाया?

उत्तर- कृष्ण ने शिशुपाल का वध कर महिष्मति की गद्दी पर उसके पुत्र धृष्टकेतु को बैठाया।

(23) पृथ्वी पर मानव अपने साथ क्या लेकर आया है?

उत्तर- पृथ्वी पर मानव अपने साथ भूख और प्यास लेकर आया है।

(24) मानव को मानव किसने बनाया?

उत्तर- मानव को मानव गुलाब ने बनाया।

(25) गेहूँ और गुलाब किसका प्रतीक है?

उत्तर- गेहूँ भौतिकता का और गुलाब सूक्ष्म मानसिकता का प्रतीक बन गया है।

Scanned with CamScanner

(26) गाँधी द्वारा स्थापित आश्रम का नाम लिखिए।

उत्तर- गाँधी जी ने 'सेवाग्राम' नामक आश्रम की स्थापना की।

(27) ग्रामीण समूचे गाँव को किस रूप में मानता आया है?

उत्तर- ग्रामीण समूचे गाँव को एक परिवार के रूप में मानता आया है। उसके मन में व्यक्तिगत स्वार्थ न होकर समस्त गाँव के प्रति हित का भाव होता है।

(28) वीर सिंह का प्राणान्त कैसे हुआ?

उत्तर- वीर सिंह का प्राणान्त गोले के वार से हुआ था।

(29) किसान की गाड़ी कहाँ फँस गई थी?

उत्तर- किसान की गाड़ी कीचड़ में फँस गई थी।

(30) छात्रों की क्या समस्या है?

उत्तर- छात्रों की समस्या मन का विचलन (चंचलता) है।

(31) मन कितने प्रकार से उत्तेजित होता है?

उत्तर- मन दो प्रकार सेउत्तेजित होता है-बाह्य विषयों से तथा अन्दर की वासनाओं से। बाह्य विषयों का आकर्षण तथा अन्दर जाग्रत वासनाएँ न हों तो मन शान्त रहता है।

(32) कुआँ पर पनहारिनें क्या कर रही थीं? वे किसके गीत गा रही थीं?

उत्तर- एक मंदिर के पास कुँए पर पनहारिनें पानी भर रही थीं। वे माई नर्मदा के गीत गा रही थीं।

(33) सुश्रुत संहिता में कितने अध्याय हैं?

उत्तर- सुश्रुत संहिता में 120 अध्याय है।

(34) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करो-

1. अशुद्ध - अमित को अनुर्त्तीर्ण होने की आशा है।
   शुद्ध - उसे अनुत्तीर्ण होने की आशंका है।
2. अशुद्ध - यहाँ शुद्ध गाय का दूध मिलता है।
   शुद्ध - यहाँ गाय का शुद्ध दूध मिलता है।
3. अशुद्ध - महादेवी वर्मा विद्वान थी।
   शुद्ध - महादेवी वर्मा विदुषी थी।
4. अशुद्ध - एक फूल की माला लाओ।
   शुद्ध - फूलों की एक माला लाओ।
5. अशुद्ध - खरगोश को काटकर गाजर खिलाओ।
   शुद्ध - गाजर काटकर खरगोश को खिलाओ।
6. अशुद्ध - ईश्वर के अनेकों नाम है।
   शुद्ध - ईश्वर के अनेक नाम है।
7. अशुद्ध - राम की चार बहिन है।
   शुद्ध - राम की चार बहिनें हैं।

(35) निम्नलिखित वाक्यांश के लिये एक शब्द लिखिये।

1. जो ईश्वर पर विश्वास करता है।

उत्तर-आस्तिक

2. वह बच्चा जिसके माता-पिता न हो।

उत्तर-अनाथ

Scanned with CamScanner

3. जिसके समान दूसरा न हो।

उत्तर-अद्वितीय

4. जो दूर की बात सोचता है।

उत्तर-दूरदर्शी

5. दोपहर के पहले का समय

उत्तर-पूर्वान्ह

6. जिसका कोई आकार न हो।

उत्तर-निराकार

7. जानने की इच्छा।

उत्तर-जिज्ञासा

8. तपस्या करने वाला।

उत्तर-तपस्वी

9. जो जीता न जा सके।

उत्तर-अजेय

(36) गूँगा फल के स्वाद का अनुभव किस तरह करता है?

उत्तर- गूँगा व्यक्ति मीठा फल खाता है तो उसे वह फल बड़ा स्वादिष्ट लगता है। उसका आनन्द वह अपने हृदय में अनुभव करता है। उसका बखान नहीं कर पाता है क्योंकि उसके पास वाणी नहीं होती है।

(37) कुब्जा कौन थी? उसका उद्धार किसने किया?

उत्तर- कुब्जा अत्यन्त कुरूप, कूबड़ी कंस की दासी थी उसका उद्धार भगवान श्रीकृष्ण ने किया।

(38) माताएँ बालक राम की कौन सी चेष्टाओं से प्रसन्न होती हैं?

उत्तर- माताएँ बालक राम की विभिन्न बाल सुलभ चेष्टाओं, जैसे-कभी चन्द्रमा लेने की हठ करना, कभी अपनी परछाई देखकर डरना, तथा कभी ताली बजाकर नाचना कभी क्रोध व्यक्त करके हठ को पूरी करने की जिद करना आदि को देखकर प्रसन्न होती है।

(39) लाल लाजपत राय की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- दो विशेषताएँ-

1. उनकी लेखनी जो ओज उत्पन्न करती थी।

2. उनकी वाणी जो आग उगलती थी।

(40) गेहूँ और गुलाब से मानव को क्या प्राप्त होता है?

उत्तर- इस संसार में जन्म लेने वाले मानव को गेहूँ से भोजन मिलता है। वह गेहूँ खाता है जिससे उसका शरीर पुष्ट होता है। गुलाब को मनुष्य सूँघता है। उससे उसे मानसिक तृप्ति मिलती है। उसका मन प्रसन्न होता है। वृत्तियाँ हर्षित होती है।

(41) "कुछ लोग बड़े निर्दोष मिथ्यावादी होते हैं।" कथन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- निर्दोष शब्द का अर्थ है दोषरहित। लेखक ने निर्दोष मिथ्यावादी उन्हें माना है जो स्वभावत: झूठ बोलते हैं। यदि वे मुम्बई जा रहे हों और उनसे पूछा जाये कि वे कहाँ जा रहे हैं वे कहेंगे कलकत्ता जा रहा हूँ, ऐसे निष्प्रयास, निष्प्रयोजन, मिथ्यावादी को लेखकर निर्दोष मिथ्यावादी कहता है। वे जान बूझकर गलती नहीं करते।

(42) रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 3

उत्तर- काव्य के पढ़ने, सुनने अथवा उसका अभिनय देखने में पाठक, श्रोता, दर्शक को जो आनन्द की अनुभूति होती है, उसे रस कहते हैं।

उदाहरण- "बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाय।
सौंह करें भौंहनि हँसे, दैन कहि नहि जाय।।"

Scanned with CamScanner

(43) वीर रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 3

उत्तर- वीर रस 'सहृदय के हृदय में स्थित उत्साह नामक स्थायी भाव का जब विभाव, अनुभाव तथा संचारी भाव से संयोग होता है तब वहाँ वीर रस होता है।'

उदाहरण- "बुन्देले हरबोलों के मुँह, हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो, झाँसी वाली रानी थी।"

(44) हास्य रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 3

उत्तर- हास्य रस सहृदय के हृदय में स्थित हास नामक स्थायी भाव का जब विभाव, अनुभाव, संचारी भाव से संयोग होता है, तब वहाँ हास्य रस होता है।

उदाहरण- "कहा बदरिया ने बंदर से, चलो नहाये गंगा
बच्चों को घर में छोड़ेंगे, होने दो हुंडदंगा"

(45) शांत रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

उत्तर- शांत रस सहृदय के हृदय में स्थित निर्वेद नामक स्थायी भाव का जब विभाव तथा संचारी भाव से संयोग होता है, तब वहाँ शांत रस होता है। 3

उदाहरण- "चलती चाकी देखकर, दिया कबीर रोय।
दो पाटन के बीच में, साबुत बचा न कोय ।।"

(46) सम्माननीय होने के लिए किन गुणों का होना आवश्यक है?

उत्तर- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र बताना चाहते हैं कि मात्र उच्च पद पाने से ही व्यक्ति सम्मान के योग्य नहीं हो जाता है। सम्माननीय होने के लिए परोपकार होना आवश्यक है। दूसरे का हित करने वाले व्यक्ति के प्रति सभी के मन में सम्मान का भाव हो जाता है। इसलिए परहित करने के गुणों से व्यक्ति सम्माननीय होता है।

(47) 'निशाकाल से चिर अभिशापित' किसे कहा गया है?

उत्तर- निशाकाल से चिर अभिशापित चकवा-चकवी को कहा गया है। जो चकवा-चकवी दिन भर साथ-साथ रहते हैं। वे रात्रि होते ही अलग हो जाते हैं। रात के समय उन्हें अलग-अलग बिताने का शाप मिला है। यह क्रम लम्बे समय से चला आ रहा है। प्रात:काल होते ही ये पुन: मिल जाते हैं और प्रेम-क्रीड़ा करते हैं।

(48) कबीरदास जी ईश्वर से क्या माँगते हैं?

उत्तर- कबीरदास जी संतोषी सन्त थे। उन्हें मात्र जीवन व्यतीत करेन के लिये धन आदि की आवश्यक थी। वे जानते थे कि अधिक सम्पत्ति मनुष्य में दोष पैदा करती है। इसलिये वे ईश्वर से इतना ही माँगते हैं कि जिसमें उनके परिवार की पूर्ति हो जाये और जो अतिथि उनके यहाँ आयें वे भी भूखे न रहें। आशय यह है कि कबीर ईश्वर से मात्र अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये ही धन आदि माँगते हैं।

(49) "मातृभूमि का मान" एकांकी के आधार पर वीरसिंह के चरित्र की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- (1) वीर सिंह मातृभूमि के सच्चे सपूत हैं। महाराणा द्वारा अपनी प्रतिज्ञा की पूर्ति के लिए बनवाए गये, बूँदी के नकली दुर्ग की रक्षा में वीरसिंह अपने प्राण गँवा देते हैं पर जीते जी अपनी मातृभूमि के नकली दुर्ग का भी अपमान नहीं होने देते हैं।

(2) वीरसिंह सच्चे वीर हैं। उनका बलिदान मातृभूमि के प्रेम के प्रति जागरुक करता है। वीरसिंह द्वारा अपनी मातृभूमि के लिए किया गया बलिदान हमें मातृभूमि के सम्मान के लिए सब कुछ न्यौछावर करने की शिक्षा देता है।

(50) बाबू गुलाब राय के अनुसार निबंध की परिभाषा देते हुए हिन्दी साहित्य के दो निबंधकारों के नाम लिखिए।

उत्तर- "निबंध उस गद्य रचना को कहते हैं, जिसमें एक सीमित आकार के भीतर किसी विषम का वर्णन या प्रतिपादन एक विशेष निजीपन, स्वच्छन्ता, सौष्ठव और सजीवता तथा आवश्यक संगति और सम्बद्धता के साथ किया गया हो।"

दो निबंधकार-1. पं. प्रताप नारायण मिश्र 2. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी

Scanned with CamScanner

(51) हरीगीतिका छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 3

उत्तर- हरिगीतिका छन्द-यह सममात्रिक छन्द है। इसके प्रत्येक चरण में 16-12 की यति के साथ 28 मात्राएँ होती हैं।

उदाहरण- वह सनेह की मूर्ति दयामति, माता तुल्यमहीं है।
उसके प्रति कर्त्तव्य तुम्हारा क्या कुछ शेष नहीं है।
हाथ पकड़कर प्रथम जिन्होंने चलना तुम्हें सिखाया।
भाषा सिखा हृदय का अद्भुत, रूप स्वरूप दिया ।।

(52) दोहा की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 3

उत्तर- इसके प्रथम और तृतीय चरणों में 13-13 और द्वितीय तथा चतुर्थ चरणों में 11-11 मात्राएँ होती हैं।

उदाहरण- "मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरिक सोय।
जा तन की झाँई परे, स्याम हरित दुति होय ।।"

(53) उल्लाला छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

उत्तर- यह एक मात्रिक छन्द हैं। इसके प्रत्येक चरण में 15 व 13 की यति पर कुल 28 मात्राएँ होती हैं। इसके उल्लाला छंद कहते हैं।

उदाहरण- " करते अभिषेक पयोद है, बलिहारी इस देश की।
हे मातृभूमि तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की ।।"

(54) अतिश्योक्ति अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 3

उत्तर- जहाँ लोक की मर्यादा को पार करके किसी वस्तु का अत्यन्त बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किया जाए, वहाँ अतिश्योक्ति अलंकार होता है।

उदाहरण- "हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आगि।
लंका सारी जरि गई गये निशाचर भागि ।।"

(55) अन्योक्ति अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 3

उत्तर- अन्योक्ति अलंकार-जहाँ अप्रस्तुत कथन के द्वारा प्रस्तुत का बोध हो, वहाँ अन्योक्ति अलंकार होता है।

उदाहरण- "माली आवत देखकर कलियन करी पुकार।
फूले फूले चुनि गये, काल्हि हमारी बार ।।"

(56) यमक अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 3

उत्तर- काव्य में जहाँ एक ही शब्द बार-बार आए किन्तु उसका अर्थ अलग-अलग हो, वहाँ यमक अलंकार होता है।

उदाहरण- "माला फेरत जुग गया, गया न मनका फेर।
कारका मनका डारिके मन का मनका फेरि ।।"

(57) पद में मीठे फल का आनंद लेने वाला कौन है? 2

उत्तर- पद में मीठे फल का आनंद लेने वाला गूँगा है?

(58) श्रीकृष्ण के ललाट पर टीके की समानता किससे की गई?

उत्तर- श्रीकृष्ण के ललाट पर टीके की समानता रवि की गई है।

(59) गोपाल के कुंडल की आकृति कैसी है?

उत्तर- गोपाल की कुंडल की आकृति मकरावृत्ति है?

(60) भारतेन्दु के अनुसार भारत की दुर्दशा का प्रमुख कारण क्या है?

उत्तर- भारतेन्दु के अनुसर आपसी बैर और फूट ही भारत की दुर्दशा का प्रमुख कारण है?

(61) बसंत के आने पर कौन तान भरता है?

उत्तर- बसंत के आने पर कोयल तान भरती है?

(62) आसमान में किस तरह के बादल उड़ रहे हैं?

Scanned with CamScanner

उत्तर- आसमान में झीने-झीने, कजरारे, चंचल बादल उड़ रहे हैं?

(63) प्रत्येक सफल राहगीर क्या लेकर आगे बढ़ता है?

उत्तर- प्रत्येक सफल राहगीर विश्वास और उद्देश्य लेकर आगे बढ़ता है।

(64) गिरिधर के अनुसार हमें क्या भूल जाना चाहिये?

उत्तर- गिरिधर के अनुसार हमें बीती बातों को भूल जाना चाहिये।

(65) कोयल को उसके किस गुण के कारण पसंद कया जाता है?

उत्तर- कोयल को उसकी मीठी बोली के कारण पसंद किया जाता है?

(66) कवि ने हिमालय की झीलो में किसको तैरते देखा है?

उत्तर- कवि ने बादों को अगल धवल गिरि के शिखरों पर घिरते देखा है।

(67) बसंत के आने पर कौन तान भरने लगता है?

उत्तर- बसंत के आने पर कोयल तान भरने लगती है।

(68) हमारे देश को किन दो बातों की सर्वाधिक आवश्यकता है?

उत्तर- हमारे देश को शक्तिबोध और सौंदर्यबोध की सर्वाधिक आवश्यकता है?

(69) पंजाब केसरी के नाम से कौन जाना जाता है?

उत्तर- पंजाब केसरी के नाम से लाला लाजपत राय जाने जाते हैं।

(70) बूढ़े किसान ने राष्ट्रपति को कौन सा उपहार दिया?

उत्तर- बूढ़े किसान ने राष्ट्रपति को छोटी सी हँडिया में पाव भार शहद दिया।

(71) कृष्ण द्वैपायन को देश किस नाम से जानता है?

उत्तर- कृष्ण द्वैपायन को देश महर्षि वेद व्यास के नाम से जानता है।

(72) गुलाब किसका प्रतीक बन गया है?

उत्तर- गुलाब विलासिता का भ्रष्टाचार का, गदंगी और गलीच का प्रतीक बन गया है।

(73) स्वामी विवेकानंद से निवेदिता की मुलाकात कब कहाँ और कैसे हुई?

उत्तर- सन् 1893 के शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन में निवेदिता से स्वामी विवेकानंद की भेंट हुई।

(74) यक्ष के, संसार के सबसे बड़े आश्चर्य संबंधी प्रश्न पर युधिष्ठिर ने क्या उत्तर दिया?

उत्तर- युधिष्ठिर ने उत्तर दिया-हर रोज आँखों के सामने कितने ही प्राणियों को मृत्यु के मुँह में जाते देखकर भी बचे हुए प्राणी, जो यह चाहते हैं कि हम अमर हे यह महान आश्चर्य की बात है।

(75) ज्ञान और दीपक के आपस संबंध को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- ज्ञान अंदर के अंधकार का हरण करता है। दीपक बाह्य अंधकार को दूर करता है। फलत: दोनों ही सहकर्मी सहधर्मी और आपस में भाई हैं।

(76) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए- 3

(1) वह मेरा मित्र है। (निषेधात्मक)

उत्तर- वह मेरा मित्र नहीं है।

(2) छात्रा पुस्तक पढ़ रही है। (प्रश्नवाचक)

उत्तर- क्या छाया पुस्तक पढ़ रही है?

(3) सीता गाना गाती है। (विस्मायादिबोधक)

उत्तर- वाह! सीता गाना गाती है।

(77) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए- 3

(1) वह एक मोती की माला पहनी है।

Scanned with CamScanner

उत्तर- वह मोती की एक माला पहनी है।

(2) उसे मृत्युदंड की सजा मिली।

उत्तर- उसे मृत्युदण्ड मिला या उसे मृत्यु की सजा मिली।

(3) वह एक आँख से काना है।

उत्तर- एक काना है।

(78) शब्द समूह के लिये एक शब्द लिखिए।

(1) वह वस्तु जिसके आर-पार देखा जा सके।

उत्तर- पारदर्शी

(2) जो कभी नहीं मरता है।

उत्तर- अमर

(3) रास्ता दिखाने वाला।

उत्तर- मार्गदर्शक

(79) संधि विग्रह कर संधि का नाम लिखिए। 3

(1) परमानंद (2) जगदीश (3) सज्जन

उत्तर- (1) परमानन्द-परम+आनंद-दीर्घ स्वर संधि

(2) जगदीश-जगत्+ईश-व्यंजन संधि

(3) सज्जन-सत्+जन-व्यंजन संधि

(80) काव्य गुण की परिभाषा व प्रकार लिखिए।

उत्तर- जिस धर्म या गुण के कारण काव्य के गुण का पता चलता है अर्थात् जो रस के धर्म एवं उत्कर्ष के कारण है और जिनकी रस के साथ उपस्थिति रहती है, उसे काव्य गुण कहते है।

प्रकार-शब्द गुण या काव्य गुण के तीन प्रकार हैं-

1. माधुर्य गुण 2. ओज गुण 3. प्रसाद गुण

(81) छंद की परिभाषा व प्रकार लिखिए।

प्रश्न- वर्ण मात्रा, पद, यति आदि के नियमानुसार प्रयोग से युक्त रचना छंद कहलाती है। कविता का नियमबद्ध रूप छंद कहलाता है।

छंद के प्रकार-

1. मात्रिक 2. वर्णिक

प्रश्न-7 4 अंक के प्रश्न-

(1) गीतिका छंद की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

उत्तर- यह एक मात्रिक सम छंद है। इसमें चार चरण होते हैं। प्रत्येक चरण में 14 व 12 की यति से 26 मात्राएँ होती हैं। प्रत्येक चरण के अंत में लघु-गुरु (15) होता है।

उदाहरण- हे प्रभो आनन्ददाता, ज्ञान हमको दीजिए,
शीघ्र सारे दुगुणों को दूर हमसे कीजिए
लीजिए हमको शरण में, हम सदाचारी बनें,
ब्रम्हचारी, धर्मरक्षक, वीर व्रतधारी बने ।।

(2) महाकाव्य व खण्ड काव्य की विशेषताएँ व उदाहरण लिखिए। 4

उत्तर- महाकाव्य-

(1) महाकाव्य में आठ या उससे अधिक सर्ग होते हैं।

(2) महाकाव्य का नायक धीरोदत्त गुणों से युक्त होता है।

Scanned with CamScanner

(3) इसने शांत वीर अथवा श्रृंगार रस में से किसी एक की प्रधानता होती है।

(4) महाकाव्य में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

(5) इसमें अनेक छंदों का प्रयोग होता है।

उदाहरण- रामचरित मानस-तुलसीदास

कामायनी-जयशंकर प्रसाद

खण्ड काव्य-

(1) खण्ड काव्य में जीवन की किसी एक घटना का वर्णन होता है।

(2) इसमें एक ही छंद का प्रयोग होता है।

(3) कथावस्तु पौराणिक या ऐतिहासिक विषयों पर आधारित होती है।

(4) श्रृंगार व करुण रस प्रधान होता है।

(5) इसका उद्देश्य महान होता है।

उदाहरण- पंचवटी -मैथिलीशरण गुप्त

सुदामाचरित -नरोत्तम दास

(3) छायावाद की विशेषताएँ, प्रमुख कवि व उनकी रचनाएँ लिखिये।

उत्तर- विशेषताएँ-

(1) व्यक्तिवाद की प्रधानता

(2) श्रृंगार भावना

(3) प्रकृति का मानवीकरण

(4) सौन्दर्यानुभूति

(5) वेदना एवं करूणा का आधिक्य

(6) अज्ञात सत्ता के प्रति प्रेम

(7) नारी के प्रति नवीन भावना

(8) जीवन दर्शन

कवियों के नाम एवं उनकी रचनाएँ-

1. जयशंकर प्रसाद - कालायनी, लहर, आँसू, झरना आदि।
2. सुमित्रानंदन पंत - पल्लव, ग्रंथि, गुंजन, वीणा आदि।
3. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' - परिमल, गीतिका, अनामिका
4. महादेवी वर्मा - रश्मि, नीरजा, निहार, सांध्यगीत आदि।

(4) रीतिकाल की विशेषताएँ व प्रमुख कवियों के नामा लिखिए। 4

उत्तर- विशेषताएँ-

1. श्रृंगार रस की प्रधानता
2. ब्रज भाषा का प्रयोग
3. मुक्तक काव्य की प्रधानता
4. भक्ति, नीति, वैराग्य, वीरता की भावना
5. आचार्यत्व प्रदर्शन की प्रवृत्ति
6. इस काल में कवित, सवैया, दोहा, कुंडलिया इस काल के बहुप्रयुक्त छंद हैं।

रीतिकाल के प्रमुख कवि-रचनाएँ-

कवि रचनाएँ

1. केशवदास - रामचंद्रिका, कविप्रिया

Scanned with CamScanner

2. बिहारी - बिहारी सतसई
3. भूषण - शिवराज भूषण, शिवा बावनी
4. मतिराम - ललित ललाम, मतिराम, सतसई

(5) संधि और समास में कोई तीन अन्तर लिखिए। 4

उत्तर-

संधि	समास
1. दो वर्णों का योग होता है।	1. दो पदों का योग होता है।
2. दो वर्णों के मेल और विकार की सम्भावना रहती है।	2. पदों, शब्दों के प्रत्यय का लोप हो जाता है।
3. संधि तोड़ना विच्छेद कहलाता है। देवर्षि-देव+ऋषि	3. समास को तोड़ना विग्रह कहलाता है। कृष्ण चरित्र-कृष्ण का चरित्र

(6) महाकाव्य और खण्ड काव्य में तीन अन्तर लिखिए। 4

उत्तर-

महाकाव्य	खण्ड काव्य
1. महाकाव्य में जीवन का समग्र रूप का वर्णन किया जाता है।	1. खण्ड काव्य में जीवन की किसी एक घटना का वर्णन होता है।
2. महाकाव्य में आठ या उससे अधिक वर्ग होते हैं।	2. खण्ड काव्य एक सर्ग में होता है।
3. इसमें अनेक छन्दों का प्रयोग होता है।	3. खण्ड काव्य के लिये यह आवश्यक नहीं है।
4. इसमें शांत, वीर अथवा श्रृंगार रस में से किसी एक रस की प्रधानता होती है।	4. श्रृंगार व करूण रस प्राय: प्रधान होता है।
5. इसमें धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है।	5. इसका उद्देश्य महान होता है।
6. प्रमुख महाकाव्य 'रामचरित मानस', 'साकेत', ' पदमावत', 'कामायनी' आदि।	6. प्रमुख खण्ड काव्य 'पंचवटी', 'जयद्रथावध', 'सुदामा' चरित' आदि।

(7) शब्द गुण के प्रमुख प्रकारों को परिभाषित कीजिए। 4

उत्तर- शब्द गुण के प्रकार-

(1) ओज गुण-जिस काव्य को सुनने से हृदय की भावनाएँ उद्दीप्त हों, मन में उत्साह का गुण उत्पन्न हो, वहाँ ओज गुण होता है।

(2) प्रसाद गुण-सरल, सरस तथा सीधे-सादे शब्दों में की गई रचना में प्रसाद गुण होता है।

(3) माधुर्य गुण-कोमल एवं अनुनासिक वर्णों से युक्त रचना जो अपनी सरसता और मधुरता से आनन्दित कर दे, माधुर्य गुण होता है।

(8) मुहावरा और लोकोक्ति में अन्तर लिखिए। 4

उत्तर-

मुहावरा	लोकोक्ति
1. मुहावरा वाक्यांश होता है।	1. लोकोक्ति पूर्ण होती है।
2. मुहावरा किसी वाक्य या वाक्यांश से जुड़कर अपना भाव प्रकट करता है।	2. लोकोक्ति को अपना भाव प्रकट करने के लिए वाक्यांश की आवश्यकता नहीं होती।
3. मुहावरा पूर्ण स्वतंत्र नहीं होता।	3. लोकोक्ति पूर्ण स्वतंत्र होती है।

(9) दृश्य काव्य और श्रव्य काव्य में अन्तर लिखिए। 4

Scanned with CamScanner

उत्तर- श्रव्य काव्य-जिस काव्य को पढ़कर आनन्द लिया जाता है, वह श्रव्य काव्य कहलाता है। जैसे-कविता पाठ या कविता पढ़ना आदि।
दृश्य काव्य-जिस काव्य की आनन्दानुभूति रंगमंच पर अभिनय आदि देखकर होती है, उसे दृश्य काव्य कहा जाता है, जैसे-नाटक,एकांकी आदि।

(10) कहानी एवं उपन्यास में कोई चार अन्तर लिखिए।

उत्तर-

कहानी	उपन्यास
1. कहानी छोटी होती है।	1. उपन्यास बड़ा होता है।
2. कहानी में एक घटना का वर्णन होता है।	2. उपन्यास में अनेक घटनाओं का वर्णन होता है।
3. कहानी में कम पात्र होते हैं।	3. उपन्या में अधिक पात्र होते हैं।
4. 'परीक्षा' प्रेमचन्द द्वारा लिखित कहानी है।	4. 'गोदान' प्रेमचन्द द्वारा लिखित उपन्यास है।

(11) एकांकी और नाटक में अन्तर लिखिए। 4

उत्तर-

एकांकी	नाटक
1. एकांकी में एक ही अंक होता है।	1. नाटक में अनेक अंक होते हैं।
2. एकांकी की कथा वस्तु संक्षिप्त होती है।	2. नाटक की कथावस्तु विस्तृत होती है।
3. एकांकी में पात्रों की संख्या कम होती है।	3. नाटक में पात्रों की संख्या अधिक होती है।
4. 'दीपदान' रामकुमार वर्मा द्वारा लिखित एकांकी है।	4. 'चन्द्रगुप्त' जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित नाटक है।

(12) शिक्षक निम्न अंतर छात्रों को समझाकर लिखाएँ। 4

(1) कहानी, उपन्यास
(2) जीवनी, संस्मरण
(3) संस्मरण, रेखाचित्र

विशेष-

(1) एक घूँट - प्रथम एकांकी - जयशंकर प्रसाद
(2) परीक्षा गुरु - प्रथम उपन्यास - लाला श्रीवास दास
(3) इन्दुमती - प्रथम कहानी - किशोरी लाल गोस्वामी
(4) उपन्यास सम्राट - मुंशी प्रेमचंद
(5) वात्सल्य रस सम्राट - सूरदास
(6) कहानी, उपन्यास, नाटक व एकांकी के प्रमुख तत्व-कपासदेभाउ

1. कथा वस्तु 2. पात्र व चरित्र चित्रण 3. संवाद
4. देशकाल व वातावरण 5. भाषा शैली 6. उद्देश्य

(13) रस- शिक्षक रस की परिभाषा, प्रकार व अग की जानकारी विद्यार्थियों के देकर ज्ञानवर्धन कर सकते हैं। 4

(14) भक्ति की शाखाएँ व भक्तिकाल के प्रमुख कवि की जानकारी शिक्षक कक्षा में दें। 4

(15) जीवनी और आत्मकथा में अन्तर लिखिए। 4

उत्तर-

जीवनी	आत्मकथा
1. जीवनी किसी महापुरुष के जीवन पर लिखी जाती है।	1. आत्मकथा स्वयं के जीवन पर लिखी जाती है।
2. जीवनी सत्य घटनाओं पर आधारित होती है।	2. आत्मकथा काल्पनिक भी हो सकती है।
3. जीवनी में लेखक तटस्थ होता है।	3. आत्मकथा में लेखक की वैयक्तिकता झलक जाती है।
4. जीवनी प्रेरणादायक होती है।	4. आत्मकथा से प्रेरणा प्राप्त हो यह आवश्यक नहीं है।

Scanned with CamScanner

(16) रेखाचित्र और संस्मरण में अन्तर लिखिए। 4

उत्तर-

रेखाचित्र	संस्मरण
1. रेखाचित्र सामान्य से सामान्य व्यक्ति का हो सकता है।	1. संस्मरण किसी विशेष व्यक्ति का ही होता है।
2. रेखाचित्र चरित्र प्रधान होता है।	2. संस्मरण वास्तविक या यथार्थ प्रधान होता है।
3. रेखाचित्र का लेखक पूर्णत: तटस्थ होता है।	3. संस्मरण व्यक्तिपरक होता है।
4. संस्मरण अभिधामूलक होता है।	4. रेखाचित्र सांकेतिक तथा व्यंजक होता है।

(17) भारतेन्दु युगीन काव्य की विशेषताएँ बताते हुए उनके दो कवियों एवं रचनाएँ लिखिए। 4

उत्तर- विशेषताएँ- 1. राष्ट्रीयता की भावना 2. सामाजिक चेतना का विकास 3. हास्य व्यंग्य 4. अंग्रेजी शिक्षा का विरोध 5. विभिन्न काव्य रूपों का प्रयोग

कवियों के नाम व रचनाएँ-

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र-प्रेम सरोवर, प्रेम फुलवारी
2. प्रताप नारायण मिश्र-मन की लहर, प्रेम पुष्पावली

(18) वक्रोक्ति अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

उत्तर- वक्र+उक्ति=टेढ़ा मेढ़ा कथन या विचित्र उक्ति।

जहाँ कथन का ध्वनि द्वारा दूसरा अर्थ ग्रहण किया जाए वहाँ वक्रोक्ति अलंकार होता है।

उदाहरण- "मैं सुकुमारि नाथ वन जोगु।
तुमहिं उचित तप, मो कहूँ भोगू।।"

(19) आधुनिक काल की कोई दो विशेषताएँ लिखते हुए बताइए कि इसे गद्य काल क्यों कहा जाता है?

उत्तर- विशेषताएँ-

1. गद्य विधा का विकास
2. साहित्य रचना में खड़ी बोली का प्रयोग
3. आदर्शवादी रचना
4. यथार्थवादी रचना

इस काल में गद्य की विविध विधाओं पर साहित्य लिखा गया है। इसलिए इसे गद्य काल कहते हैं।

(20) रीतिकाल को श्रृंगार काल क्यों कहा जाता है? रीतिकाल की कोई कवियों एवं उनकी रचनाओं के नाम लिखिए।

उत्तर- रीतिकाल में कवियों ने श्रृंगार रस में रचनाएँ लिखी है, इसकी कारण रीतिकाल को श्रृंगार काल कहा जाता है। इस काल में नायिका सौन्दर्य, नख शिख वर्णन, रूप सौन्दर्य का बहुतायत रूप से वर्णन किया गया है।

कवि के नाम		रचना के नाम
केशवदास	-	रामचन्द्रिका
बिहारी	-	बिहारी सतसई
भूषण	-	छत्रसाल दशक

(21) नई कविता की दो विशेषताएँ लिखते हुए दो कवियों के नाम लिखिए।

उत्तर- विशेषताएँ-

1. लघु मानववाद की प्रतिष्ठा
2. अनुभूतियों का वास्तविक चित्रण
3. कुण्ठा, संत्रास, मृत्यु बोध
4. क्षणवाद को महत्व

कवियों एवं उनकी रचनाएँ-

1. भवानी प्रसाद मिश्र-सन्नाटा, गीता फरोस।
2. कुँवर नारायण-चक्रव्यूह, आमने सामने।
3. दुष्यंत कुमार-सूर्य का स्वागत, आवाजों के घेरे।

Scanned with CamScanner

4. नरेश मेहता-वनपांखी सुनो, उत्सव।

(22) रीतिकाल की कोई चार विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- विशेषताएँ-

1. रीतिकाल में अधिकांशत: दरबारी काव्य की रचना हुई।
2. रीतिकाल में मुक्तक काव्य की प्रधानता रही हैं।
3. इस काल की भाषा ब्रजभाषा थी।
4. कवित्त, सवैया, दोहा, कुण्डलियाँ इस काल के बहुप्रयुक्त छन्द है।

(23) प्रगतिवादी काव्य की कोई चार विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- 1. शोषकों के प्रति विद्रोह और शोषितों से सहानुभूति।
2. आर्थिक व सामाजिक समानता पर बल।
3. नारी शोषण के विरुद्ध मुक्ति का स्वर।
4. ईश्वर के प्रति अनास्था सामाजिक यथार्थ का चित्रण।
5. भाग्यवाद की अपेक्षा कर्मवाद की श्रेष्ठता पर बल।

(24) प्रयोगवाद की दो विशेषताएँ बताते हुए उनके दो कवियों के नाम एवं उनकी रचनाएँ लिखिए।

उत्तर- विशेषताएँ-

1. प्रेम भावनाओं का खुला चित्रण।
2. नवीन उपमानों का प्रयोग।
3. बुद्धिवाद की प्रधानता, लघुमानववाद की प्रतिष्ठा।
4. अहं की प्रधानता, रूढ़ियों के प्रति विद्रोह, मुक्त छन्दों का प्रयोग, व्यंग्य की प्रधानता, निराशावाद की प्रधानता।

कवि व उनकी रचनाएँ-

1. अज्ञेय-हरी घास पर क्षण भर।
2. मुक्तिबोध-चाँद का मुँह टेढ़ा।

(25) निम्न पद्यांश का व्याख्या संदर्भ-प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए-

1. "अविगत-गति कछु कहत न आवै।
ज्यों गूँगे मीठे फल कौ रस, अंतरगत ही भावै।
परम स्वाद सबही सु निरन्तर, अमित तोष उपजावै।
मन-बानी कौ अगम अगोचर, सो जानै जो पावै।
रूप-रेख-गुन-जान-जुगति-बिनु, निरालम्ब किन धावै।
सब विधि अगम विचारहि तातैं, सूर सगुन पद गावै।।"

उत्तर- सन्दर्भ-प्रस्तुत पद 'भक्तिधारा' के 'विनय के पद' नामक शीर्षक से लिया गया है। इसके रचयिता महाकवि सूरदास है।

प्रसंग-साकार भक्ति के समर्थक सूर ने इस पद के निर्गुण का खण्डन करते हुए सगुण का समर्थन किया है।

व्याख्या-निराकार ब्रह्म की स्थिति तथा स्वरूप के विषय में कुछ भी कहते नहीं बनता है। निर्गुण ब्रह्म की प्राप्ति से मिलने वाला आनन्द वैसा ही है, जैसा गूँगा व्यक्ति मीठे फल को खाकर उसका आनन्द तो मन ही मन अनुभव करता है किन्तु शब्दों द्वारा वर्णन नहीं कर पाता है। यह ब्रह्म की श्रेष्ठ आनन्दानुभूति सभी प्रकार से असीमित संतोष उत्पन्न कराती है, किन्तु वह मन तथा वाणी के लिये अगम्य एवं दिखायी न देने वाला है। उसे वही जान पाता है, जो उसे प्राप्त कर लेता है। निर्गुण ब्रह्म बिना स्वरूप, आकृति, गुण तथा जाति वाला है। ऐसी स्थिति में बिना किसी आधार के मन किधर के मन किधर अटके? निर्गुण ब्रह्म सभी तरह से अगमनीय है। इसलिए सूर सगुण भगवान कृष्ण की लीलाओं का गुणगान करने वाले पद गाते हैं।

विशेष- 1. विषय का प्रतिपादन शुद्ध साहित्यिक ब्रजभाषा में किया गया है।

Scanned with CamScanner

2. रस-शांत

3. छन्द-पद ।

2. कबहूँ ससि माँगत आरि करैं, कबहूँ प्रतिबिम्ब निहारि डरैं ।
कबहूँ कर ताल बजाई कैं नाचत, मातु सबै मन मोद भरैं ।।
कबहूँ रिसिआई कहैं हठिकैं, पुनि लेत सोई जेहि लागि अरे
अवधेश के बालक चारि सदा, तुलसी मन-मंदिर में बिहरैं ।।

उत्तर- संदर्भ-प्रस्तुत पद्य गोस्वामी द्वारा रचित 'कवितावली' से लिया गया है।

प्रसंग-इस पद में एक सुखी दूसरी सखी से से बालक राम की सुन्दर बाल-लीलाओं का वर्णन कर रही है ।

व्याख्या-एक सखी दूसरी सखी से कहती है कि बालक राम कभी तो चन्द्रमा को लेने की जिद करते हैं तो कभी अपनी परछाई से डर जाते हैं । कभी ताली बजाकर नाचने लगते है । तीनों माताएँ उनकी बाल-लीलाओं को निरखकर प्रभुदित हो रही है। कभी गुस्से में राम किसी चीज को लेने की जिद करते हैं और उसे लेकर ही मानते हैं । तुलसीदास जी कहते हैं राजा दशरथ के ये चारों पुत्र तुलसी के मन-मंदिर में विहार करें ।

विशेष- 1. उक्त पद वात्सलय भाव से ओत-प्रोत है ।

2. अनुप्रास एवं रूपक अलंकार की शोभा दिखाई देती है ।

3. बाल सौन्दर्य का वर्णन ।

3. भर रही कोकिला इधर तान,
मारू बाजे पर उधर गान,
है रंग और रण का विधान,
मिलने आए हैं आदि-अंत,
वीरों का कैसा हो बसंत?

उत्तर- संदर्भ-प्रस्तुत छंद "वीरों का कैसा हो बसन्त?" शीर्षक कविता से लिया गया है । इसकी रचयिता सुभद्रा कुमारी चौहान है ।

प्रसंग-प्रस्तुत पंक्तियों में यह बताया गया है कि जब देश को आवशयकता हो तो राग-रंग, विलास आदि छोड़कर वीरों को युद्ध का वरण करना चाहिए ।

व्याख्या-कवयित्री का कथन है कि एक ओर बसंत के आने पर कोयल अपने पंचम स्वर में वातावरण को मादक बना रही है तो दूसरी ओर युद्ध के मारू बाजे पर आह्वान के गीत सुनाई पड़ रहे हैं । एक ओर जिन्दगी के राग-रंग है तो दूसरी ओर युद्ध का विधान है । कहने का आशय है कि एक ओर विलासिता है तो दूसरी ओर युद्ध की चुनौती कानों को गुदगुदा रही है । इसमें एक जिन्दगी का श्रीगणेश है तो दूसरा जिन्दगी का अन्त ।

विशेष- (1) भाषा सरल, सुबोध खड़ी बोली है ।

(2) युद्ध एवं विलास दोनों रूपों का सफल अंकन है ।

4. मान्य योग्य नहि होत कोऊ .....उठहु छोड़ी विसराम ।

5. भर रही कोकिकला इधर तान ..... वीरों का कैसा हो बसंत ।

6. तरवर तास बिलंबिए बारह मास ..... कौड़ी बदले जाइ ।

7. बाँध लेगे क्या तुझे ..... अपने लिए कारा बनाना ।

8. अवगति-गति कछु कहत न आवै ..... सूर सगुन पद गावै ।

नोट- उपरोक्त महत्वपूर्ण पद्यांश की व्याख्या शिक्षक हल करवायें।

(26) निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

1. कृष्ण भारत वर्ष के लिये एक अमूल्य ..... मानदण्ड की तरह स्थित हैं ।

Scanned with CamScanner

उत्तर- संदर्भ- पुस्तक का नाम-नवनीत
पाठ का नाम-महापुरुष श्रीकृष्ण
लेखक का नाम-वासुदेवशरण अग्रवाल
प्रसंग-लेखक ने कृष्ण के चरित्र को भारतीय संस्कृति का मानदण्ड बतलाया है।
व्याख्या- लेखक कहते हैं कि कृष्ण का जीवन, चरित्र एवं व्यवहार भारत के लोगों के लिये अत्यंत मूल्यवान है। कृष्ण हमारी धरोहर है, हमारी राष्ट्रीय संस्कृति के प्रतीक है। हमने आखिरकार उन्हीं के द्वारा प्रदत्त संस्कारों से रस लेरक अपनी जीवनचर्या निर्धारित की है। जिस प्रकार पृथ्वी का मानदण्ड हिमालय पर्वत है, उसी प्रकार मनुष्य के विकास का मानदण्ड श्रीकृष्ण हैं। उन्होंने हमें ब्रम्हचर्य धर्म की शिक्षा दी। जीवन की मर्यादाओं को उन्होंने हमें बतलाया। कृष्ण के दिये संस्कारों को हम अपने से पृथक कर दें तो हमारे पास संस्कार के नाम पर कुछ भी शेष नहीं बचेगा।
विशेष- (1) संस्कृनिष्ठ भाषा का प्रयोग।
(2) आलोचनात्मक शैली का प्रयोग।

2. मानव शरीर में पेट का स्थान नीचे है ..... विजय की घोषणा की।
3. मैं अपने देश का नागरिक हूँ ..... यह मेरा अधिकार है।
4. हमारे देश को दो बातों की .....कुरुचि की भावना को ही।
5. बदलते हुए समय में लोक .....युग-युग से प्रवाहमान रही है।
6. इस पद के लिये ऐसे पुरुष की आवश्यकता .....दीवान पाने पर बधाई देता हूँ।

नोट- उपरोक्त महत्वपूर्ण गद्यांश की व्याख्या शिक्षक विद्यार्थी से हल करवायें।

(27) सूरदास अथवा बिहारी की काव्यगत विशेषताएँ निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर कीजिए-
(1) दो रचनाएँ (2) भाव पक्ष-कला पक्ष (3) साहित्य में स्थान

उत्तर- सूरदास-
दो रचनाएँ - सूरसागर, सूरसारावली, साहित्य लहरी।
भाव पक्ष - सूरदास ने अपने काव्य में ब्रजभाषा का प्रयोग किया है, भाषा साहित्यिक होते हुए भी बोलचाल के बहुत निकट है। सूर की भाषा में प्रसाद एवं माधुर्य गुण की प्रधानता है। सूरदास के काव्य में उपमा, उत्प्रेक्षा और रूपक अलंकार का प्रयोग किया गया है।
साहित्य में स्थान - सूरदास साहित्य जगत के सूर्य हैं। उनका साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान है।

(28) कवि परिचय-
1. तुलसीदास-
रचनाएँ - रामचरित मानस, दोहावली, कवितावली, विनय पत्रिका आदि।
भाव पक्ष - तुलसी साहित्य में लोकहित, लोकमंगल की भावना सर्वत्र मुखर है। आप राम के अनन्य भक्त है। आपके काव्य में समन्वयवादी दृष्टिकोण दार्शनिकता है। आप रससिद्ध कवि हैं।
कला पक्ष - तुलसी ने अपने समय में प्रचलित अवधी और ब्रज-भाषा को अपनाया। यद्यपि उन्होंने संस्कृत शब्दों का प्रचुरता से प्रयोग किया है तथापि कहीं भी वह बोझिल अथवा दुरूह नहीं हो पाई। अलंकारों एवं रसों के सहज प्रयोग से रचनाएँ प्रभावोत्पादक बन गई है। छन्द योजना में दोहा, चौपाई, कवित्त, सवैया आदि का प्रयोग किया है।
साहित्य के स्थान- तुलसी ने अपनी अप्रतिम काव्य प्रतिभा से साहित्य का गौरव बढ़ाया है। तुलसीदास महान समन्वयकारी कवि थे। उन्हें साहित्य के आकाश का चन्द्रमा कहा गया है।

2. सुभद्रा कुमारी चौहान
दो रचनाएँ - मुकुल, त्रिधारा, बिखरे मोती।

Scanned with CamScanner

भाव पक्ष - सुभद्रा कुमारी चौहन की रचनाओं में समसामयिक देश-प्रेम, भारतीय इतिहास एवं संस्कृति की गहरी छाप पड़ी है। देश के नवचेतना त्याग बलिदान का अलख जगाने में आपके काव्य की महती भूमिका रही है।

कला पक्ष - आप मूलत: वीर रस की कवयित्री थी। गीत और लोकगीतों की गायन शैली में अपने भावों को स्वर देने में आप सिद्ध हैं। अलंकार और प्रतीकों के मोह से युक्त अनुभूतियों का सहज प्रकाशन ही आपकी काव्यगत विशेषता है।

साहित्य में स्थान - जन-जन में देश प्रेम और स्वाभिमान की भावना जगाने वाले कवियों में आपका स्थान प्रमुख हैं।

3. महादेवी वर्मा-

रचनाएँ - नीहार, रश्मि, नीरजा, सांध्यगीत, दीपशिखा, यामा आदि।

भाव पक्ष/कला पक्ष -छायावादी कवियों की वृहत् चतुष्टयी विदुषी कवयित्री की रचनाओं में राष्ट्रीय जागरण, मानवीय संवेदना के साथ ही साथ शत-प्रतिशत भारतीय परम्परा की अनुगामिनी रही। गद्य-पद्य में पैठ होने के कारण रचनाएँ रस छन्द, अलंकारों से युक्त है। इनकी भाषा एवं संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली है।

साहित्य में स्थान - इनका काव्य उच्चकोटि का है। हिन्दी गीतों की मधुरतम कवयित्री के रूप में इनको अद्वितीय स्थान प्राप्त है। इनका हिन्दी कविता में विशिष्ट स्थान है।

4. कबीरदास-

रचनाएँ - साखी,सबद, रमैनी आदि।

भाव पक्ष - कबीरदास जी निर्गुण ब्रह्म के उपासक थे। उन्होंने अपने काव्य में धर्म, रीति-नीति, समाज-सुधार, आध्यात्मक आदि विषयों पर अपने भाव व्यक्त किये हैं।

कला पक्ष - कबीर की भाषा अपरिष्कृत है। उनकी भाषा सधुक्कड़ी तथा खिचड़ी कही जाती है। इनकी भाषा में ब्रज, अवधी, राजस्थानी, पंजाबी के अतिरिक्त अरबी, फारसी के शब्दों का भी प्रयोग हुआ है। दृष्टांत और अलंकारों का बाहुल्य है।

साहित्य में स्थान - कबीरदास समाज सुधारक एवं युग-निर्माता के रूप में सदैव स्मरण किये जाते रहेंगे।

(29) डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल अथवा रामवृक्ष बेनीपुरी का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर लिखिए-

(1) दो रचनाएँ (2) भाषा-शैली (3) साहित्य में स्थान

उत्तर- डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल-

दो रचनाएँ - 'कल्पवृक्ष', 'उरज्योति', 'माता भूमि', 'पृथ्वी पुत्र', 'कला और संस्कृति' आदि।

भाषा - अग्रवाल की भाषा शुद्ध परिमार्जित, संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली है। कहीं-कहीं इनकी भाषा में दुरूहता आ गई है। इनकी भाषा में सरल, सुबोध और सहज प्रवाह है। देशज शब्दों का प्रयोग भी हुआ है। अंग्रेजी, उर्दू या जनपदीय बोलियों के शब्द उनकी भाषा में कम मिलते हैं।

शैली - इनकी शैली में पाण्डित्य, बौद्धिकता और भावात्मकता कम मिलते हैं। इनकी रचनाओं की मुख्य शैली विचारात्मक, गवेषणातत्मक, भावात्मक, सूत्रात्मक एवं उद्धरण शैली है। उनकी सूत्र शैली अत्यंत सरल एवं मार्मिक है।

साहित्य में स्थान- अग्रवाल जी साहित्य, इतिहास, पुरातत्व के मूर्द्धन्य विद्वान थे। उच्च कोटि के निबंधकार थे।

रामवृक्ष बेनीपुरी-

रचनाएँ - 'गेहूँ बनाम गुलाब', 'पतितों के देश में', 'माटी की मूरतें', 'लाल तारा', 'चिता के फूल' आदि।

भाषा - इनकी भाषा शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली है। इनकी भाषा में ओज है। इनकी सशक्त भाषा विचार और भाव को अभिव्यक्त करने में पूर्ण समर्थ है। मुहावरों और कहावतों के प्रयोग से भाषा में सुन्दरता आ गई है। अलंकार भाषा के सौन्दर्य को बढ़ाने में सहायक हुए हैं।

शैली - बेनीपुरी की शैली का चमत्कार उनकी रचनाओं में देखा जा सकता है। उनकी मुख्य शैली वर्णनात्मक, आलोचनात्मक, भावात्मक, प्रतीकात्मक एवं चित्रोपम शैली है।

Scanned with CamScanner

साहित्य में स्थान- भाषा शैली पर बेनीपुरी जी का असाधारण अधिकार है। इन्होंने कई पत्र-पत्रिकाओं का सम्पादन किया और नाटकों, निबंधों, कहानियों और रेखाचित्रों की रचना करके हिन्दी साहित्य के भण्डार में वृद्धि की।

(30) लेखक परिचय-

1. कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'-

रचनाएँ - 'आकाश तारे', 'धरती के फूल', 'माटी हो गई सोना', 'जिन्दगी मुस्कुराई', 'दीप जले शंख बजे' आदि।

भाषा - संस्कृतनिष्ठ भाषा का प्रयोग किया गया है। तत्सम् शब्दों की बहुलता है। उनकी भाषा में अंग्रेजी और उर्दू के बोलचाल के शब्द आ गए हैं। इनकी भाषा में मुहावरों और उक्तियों का प्रयोग सहजता से हुआ है। भाषा में लाक्षणिकता है।

शैली - मिश्रजी की गद्य शैली में भावों एवं विचारों के प्रवाह के साथ-साथ विषय का सुन्दर विवेचन किया गया है। उनके निबन्धों में शैली-भावात्मक, विचारात्मक, रेखाचित्र शैली, वर्णनात्मक एवं संवाद शैली है।

साहित्य में स्थान - मिश्र जी ने हिन्दी गद्य को निबंध, रेखाचित्र, यात्रावृत आदि विधाओं में लिखा है। हिन्दी गद्यकार के रूप में मिश्र जी का विशिष्ट स्थान है।

2. प्रेमचन्द-

रचनाएँ - 'पूस की रात', 'कफन', 'ईदगाह', 'परीक्षा', 'गबन', 'गोदान', 'बूढ़ी काकी', 'पंच परमेश्वर' आदि।

भाषा - आपकी रचनाओं में भाषा खड़ी बोली हिन्दी का प्रयोग किया गया है। भाषा सहज, सरल एवं बोधगम्य है। भाषा में प्रभावशाली है। मुहावरे तथा कहावतों के प्रयोग से उनकी भाषा व बहुत ही मजेदार बन गई है। उर्दू शब्दों का प्रयोग हुआ है। तत्सम्, तद्भव, देशी व विदेशी शब्दों का यथासम्भव प्रयोग हुआ है।

शैली - उनकी कहानी में वर्णात्मक, भावात्मक, व्यंग्यात्मक आदि शैलियाँ प्रचलित हैं। वे कुशल संवाद योजना में भी सिद्धहस्त थे।

साहित्य में स्थान - प्रेमचन्द अपने युग के लोकप्रिय उपन्यासकार है। वे उपन्यास सम्राट के रूप में प्रसिद्ध है। ग्रामीण जीवन के कुशल शिल्पी है।

(31) शिक्षक निम्न पत्रों को जानकारी छात्रों को दें-

(अ) आवेदन पत्र (औपचारिक पत्र) 5 अंकीय

अपने विद्यालय के प्राचार्य को एक पत्र लिखिए जिसमें ऑनलाइन अध्यापन में आ रही समस्या से अवगत कराया गया हो। 5

उत्तर- सेवा में,

प्राचार्य महोदय,
शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,
एन.के.जे., कटनी

विषय-ऑनलाइन अध्यापन में आ रही समस्या के निराकरण हेतु।

महोदय,

नम्र निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा 10 वीं 'अ' की छात्रा हूँ। वर्तमान में कोरोना जैसी महामारी के कारण चूँकि शाला बंद है, ऐसे में हमारी पढ़ाई आनलाइन हो रही है किंतु मैं जिस गाँव में रहती हूँ वहाँ पर नेटवर्क की समस्या होने के कारण मैं आनलाइन पढ़ाई करने में असमर्थ हूँ।

अत: मैं विद्यालय आकर पढ़ाई से संबंधित जानकारी प्राप्त करने हेतु अनुमति प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद

आपकी आज्ञाकारी शिष्या
अ, ब, स
रोल नं. .....
दिनाँक-15.12.20

Scanned with CamScanner

नोट- उपरोक्त आवेदन पत्र के अतिरिक्त निम्न की जानकारी शिक्षक छात्रों को दें।

(1) परीक्षाकाल में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के बजाने पर रोक लगाने हेतु जिलाधीश को प्रार्थना पत्र लिखिए।

(2) शाला स्थानान्तरण प्रमाण पत्र करने हेतु अपने विद्यालय के प्राचार्य को एक आवेदन पत्र लिखिए।

(3) सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल को अंक सूची की द्वितीय प्रति प्राप्त करने हेतु एक आवेदन पत्र लिखिए।

(ब) पिता, भाई को, मित्र को पत्र (अनौपचारिक पत्र) 5 अंक

उत्तर- अनौपचारिक पत्र-

अपने बड़े भाई की शादी में अपने मित्र को आमंत्रित करने के लिये पत्र लिखिए।

विवाह निमन्त्रण पत्र-

16, आजाद चौक

कटनी

दिनाँक .....

परमप्रिय मित्र नमन्,

सप्रेम नमस्कार।

अत्यन्त प्रसन्नता का समाचार है कि मेरे बड़े भाई अजय का विवाहोत्सव 20 जनवरी को होना निश्चित हुआ है। विवाह समारोह भोपाल से हो रहा है। बारात कटनी से भोपाल के लिये 20 जनवरी को प्रात: काल प्रस्थान करेगी।

विवाह समारोह में सम्मिलित होने के लिये तुम्हें अवश्य आना है। माताजी तथा पिताजी ने तुम्हारे आने के लिये जोर देकर कहा है। तुम 19 जनवरी 2021 को आ जाना ताकि आराम कर सकोगे।

आदरणीय माताजी एवं पिताजी को सादर चरण स्पर्श, छोटी को स्नेह।

तुम्हारा मित्र
विजय

नोट- उपरोक्त पत्र के अतिरिक्त निम्न की जानकारी शिक्षक छात्रों को दें -

(1) वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम आने पर अपने मित्र को एक बधाई पत्र लिखिए।

(2) वार्षिक परीक्षा की तैयारी का उल्लेख करते हुए पिताजी को पत्र लिखिए।

(3) अपने भाई को पत्र लिखिए और उन्हें बताइए कि छात्रावास में रहकर कोरोना काल में कौन-कौन सी सावधानियाँ बरती हैं।

(4) अपने पिताजी को एक पत्र लिखिए जिसमें अपनी शैक्षिक प्रगति और लक्ष्य का उल्लेख हो।

(5) अपने मित्र को एक बधाई पत्र लिखिये जिसमें उसने प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त किया हो। 5 अंक

(32) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. स्वार्थ और परमार्थ मानव की प्रवृत्तियाँ हैं। हम अधिकतर सभी कार्य अपने लिये करते हैं, 'पर' के लिए सर्वस्व बलिदान करना ही सच्ची मानवता है। यही धर्म है यही पुण्य है। इसे ही परोपकार कहते हैं। प्रकृति हमें निरंतर परोपकार का संदेश देती है। नदी दूसरों के लिए बहती है। वृक्ष मनुष्यों को छाया तथा फल देने के लिए ही धूप आँधी वर्षा और तूफानों में अपना सब कुछ बलिदान कर देते हैं।

प्रश्न- (1) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

उत्तर-परोपकार

(2) सच्ची मानवता क्या है?

उत्तर-दूसरों के लिए सब कुछ बलिदान कर देना ही सच्ची मानवता है।

(3) वृक्ष हमें परोपकार का संदेश कैसे देते हैं?

Scanned with CamScanner

उत्तर– वृक्ष मनुष्यों को छाया तथा फल देने के लिए धूप, आँधी, वर्षा और तूफानों में अपना सब कुछ बलिदान करके हमें परोपकार का संदेश देते हैं।

(4) उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

उत्तर– सारांश–अपने लिये कार्य करना स्वार्थ और दूसरों के लिए सब कुछ लुटा देना परोपकार कहलाता है । परोपकार ही सच्ची मानवता, धर्म तथा पुण्य है । नदियाँ तथा वृक्ष दूसरों का हित करके परोपकार का संदेश देते हैं ।

2. मानव का अकारण ही मानव के प्रति अनुदान हो उठना न केवल मानवता के लिये लज्जाजनक है, वरन् अनुचित भी है। वस्तुतः यथार्थ मनुष्य वही है जो मानवता का आदर करना तो दूर रहा, उपेक्षा का भी पात्र नहीं होना चाहिये। मानव के योग्य है कि वह मानव है। भगवान की सर्वश्रेष्ठ रचना है।

प्रश्न (1) उक्त अवतरण का शीर्षक बताइये।

उत्तर– ''उदारता'' शीर्षक है।

(2) उक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

उत्तर– सारांश–प्रत्येक मनुष्य का कर्त्तव्य है कि दूसरों के प्रति उदार भाव रखना उदारता है । उदार व्यक्ति समाज में एक सेवक एक तरह है तथा वह अपने कार्यों को प्रदर्शित नहीं करता बल्कि वह प्रत्येक मनुष्य को मनुष्य समझता है ।

<u>प्रश्न 1:– निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।</u>

<u>गद्यांश – 01</u>

आप हमेशा अच्छी जिंदगी जीते आ रहे हैं। आप हमेशा बढ़िया कपड़े, बढ़िया जूते, बढ़िया मोबाइल जैसे दिखावों पर बहुत खर्च करते हैं मगर आप अपने शरीर पर कितना खर्च करते हैं ? इसका मूल्यांकन जरूरी है। यह शरीर अनमोल है। अगर शरीर स्वस्थ्य नहीं होगा तो आप ये सारे सामान किस पर टांगेंगे ? अतः स्वयं का स्वस्थ्य रहना सबसे जरूरी है एवं स्वस्थ्य रहने में हमारे खान–पान का सबसे बड़ा योगदान है।

प्रश्न– अ. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

ब. अनमोल क्या है ?

स. गद्यांश का संक्षिप्त सारांश लिखिए।

उत्तर– अ. स्वस्थ्य शरीर : अनमोल देन।

ब. यह शरीर अनमोल है।

स. सारांश – यह शरीर अनमोल है। इसका स्वस्थ्य रहना जरूरी है। स्वस्थ्य रहने के लिए हमारा खान–पान अच्छा होना चाहिए।

<u>गद्यांश – 02</u>

''आदर्श व्यक्ति कर्मशीलता में ही अपने जीवन की सफलता समझता है। जीवन का प्रत्येक क्षण वह कर्म में लगाता है। विश्राम और विनोद के लिए उसके पास निश्चित समय रहता है। शेष समय जन सेवा में व्यतीत होता है। हाथ पर हाथ धर कर बैठने को वह मृत्यु के समान समझता है। काम करने की उसमें लगन होती है, उत्साह होता है। विपत्तियों में भी वह अपने चरित्र का सच्चा परिचय देता है।

प्रश्न– अ. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

ब. उपर्युक्त गद्यांश में वर्णित व्यक्ति के गुण लिखिए।

स. आदर्श व्यक्ति क्या करता है ?

उत्तर– अ. कर्मशील व्यक्ति'

ब. लगनशील; उत्साही, दृढ़ चरित्र, कर्मशील आदि गुणों का वर्णन किया गया है।

स. आदर्श व्यक्ति कर्मशीलता में ही अपने जीवन की सफलता समझता है।

गद्यांश – 03

अगर मनुष्य में कर्त्तव्यबोध नहीं है तो वह उच्च पद प्राप्त करके भी समाज के सापेक्ष असफल ही कहा जाएगा। उच्च शिक्षा व योग्यता तभी उपयोगी है, जब व्यक्ति समाज व राष्ट्र के हित में उसका उपयोग करें। कर्त्तव्य बोध की भावना से परिपूर्ण व्यक्ति ही अपने उत्तरदायित्वों के निर्वहन में खरे उतरते हैं। सचमुच में ऐसे व्यक्ति ही सही अर्थ में राष्ट्र–सेवक होते हैं। एक शिक्षक कितना ही विद्वान क्यों न हो अगर उसमे अपने विद्यार्थियों के प्रति कर्तव्य–बोध न हो तो वह कभी भी राष्ट्र–निर्माता नहीं हो सकता।

प्रश्न– अ. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।
ब. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।
स. उच्च शिक्षा व योग्यता कब उपयोगी है?

उत्तर– अ. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है– कर्तव्य बोध।
ब. सारांश– कर्त्तव्यबोध से युक्त व्यक्ति ही समाज व राष्ट्र के लिये उपयोगी है ऐसे व्यक्ति ही सही अर्थ में राष्ट्र सेवक होते हैं। एक शिक्षक विद्वान होते हुए भी कर्त्तव्यबोध के अभाव में राष्ट्र–निर्माता नहीं बन सकता।
स. उच्च शिक्षा व योग्यता तभी उपयोगी है जब वह समाज व राष्ट्र के लिये उपयोग की जा सके।

गद्यांश – 04

स्वस्थ्य शरीर के साथ ही स्वस्थ्य मनोरंजन भी मनुष्य के लिए आवश्यक है। खेल ऐसी क्रिया है जिससे न केवल शरीर का विकास होता है अपितु मनोरंजन भी प्राप्त होता है। यही कारण है कि सभ्यता के आदिकाल से ही मानव समाज में खेलों का प्रचलन रहा है। आज से पचास हजार वर्ष पूर्व की मानव सभ्यता को दर्शाने वाले भित्ति–चित्र प्राचीन गुफाओं में देखने को मिलते हैं। भारतीय खेलों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन्हें बिना किसी खर्च के खेला जा सकता है। इन खेलों में कबड्डी, खो–खो आदि प्रसिद्ध है। प्रसन्नता की बात है कि कबड्डी व खो–खो को अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता प्राप्त हो गई है।

प्रश्न– अ. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।
ब भारतीय खेलों की सबसे बड़ी विशेषता क्या है?
स. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

उत्तर– अ. ''खेलों का महत्व''
ब. भारतीय खेलों की सबसे बड़ी विशेषता है कि इन्हें बिना किसी खर्च के खेला जा सकता है।
स. सारांश– खेलों के द्वारा न केवल मनोरंजन होता बल्कि शरीर भी स्वस्थ रहता है यही कारण है कि आदिकाल से ही खेलों की परम्परा रही है। इस क्रम में भारितीय खेलों जैसे– कबड्डी, खो–खो आदि को बिना किसी खर्च के भी खेला जा सकता है। प्रसन्नता की बात है कि इन खेलों को अंतराष्ट्रीय स्तर भी मान्यता प्राप्त हो गई है।

गद्यांश – 05

एकल परिवारों के चलन से मित्रता का महत्व और अधिक बढ़ा है। संयुक्त परिवारों के अभाव में विपरीत परिस्थितियाँ मित्रता की माँग करती हैं। चूंकि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, अतः उसके सामाजिक विकास में मित्र की अहम् भूमिका रहती है। परिचित तो बहुत होते हैं, पर मित्र बहुत कम हो पाते हैं, क्योंकि मैत्री एक ऐसा भाव जिसमें प्रेम के साथ समर्पण और त्याग की भावना मुख्य होती है। मैत्री में सबसे आवश्यक है– परस्पर विश्वास।

प्रश्न– अ. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।
ब. मित्रता का महत्व अब क्यों बढ़ गया है?
स. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

उत्तर– अ. ''मित्रता का महत्व''

ब. एकल परिवारों के चलने से मित्रता का महत्व अधिक बढ़ गया है

स. वर्तमान में संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल रहे हैं। फलतः विपरीत परिस्थितियों में मित्रता ही सहयोगी होती है। मैत्री एक ऐसा भाव है, जिसमें प्रेम, समर्पण और त्याग की भावना मुख्य होती है मैत्री में परस्पर विश्वास अत्यंत आवश्यक है।

गद्यांश – 06

विद्यार्थियों में अनुशासनहीनता की कथित समस्या का समाधान एक ही प्रकार से हो सकता है कि उन्हें जीवन की जिम्मेदारियों का अनुभव कराया जाए। अनुशासनहीनता से होने वाली हानियों एवं राष्ट्रीय क्षति से उन्हें परिचित कराया जाए। विद्यालय की जिम्मेदारियों को पूरा करने में उसे सहभागी बनाया जाए। अनुशासन, अध्ययन एवं आदर्श नागरिकता के गुणों का इनमें विकास किया जाए, तो कोई कारण नहीं विद्यार्थियों में असंतोष भड़के। आज का विद्यार्थी देश की वर्तमान स्थिति एवं समस्याओं से अप्रभावित नहीं रह सकता। विद्यार्थियों को बदलती हुई परिस्थियों से परिचित कराते हुए उनमें चरित्र निर्माण के लिए उदारता, त्याग, सेवा, विनय आदि गुणों से विभूषित किया जाये तो अनुशासनहीनता की समस्या का स्वतः समाधान हो जाएगा।

प्रश्न– अ. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

ब. विद्यार्थियों में अनुशासनहीनता दूर करने का उपाय लिखिए।

स. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

उत्तर – अ. अनुशासनहीनता की समस्या।

ब. जीवन की जिम्मेदारियों का अनुभव करवा कर अनुशासनहीनता को दूर किया जा सकता है।

स. सारांश– विद्यार्थी को जीवन की जिम्मेदारियों का अनुभव करवा कर एवं विद्यालय के दायित्व सौंपकर अनुशासन की समस्या का समाधान किया जा सकता है। आदर्श नागरिक के गुणों को विकसित कर उदारता, त्याग, सेवा, विनय आदि गुणों से विभूषित करने पर अनुशासनहीनता की समस्या का स्वतः समाधान हो जाएगा।

गद्यांश – 06

अगर मनुष्य में कर्त्तव्यबोध नहीं है तो वह उच्च पद प्राप्त करके भी समाज के सापेक्ष असफल ही कहा जाएगा। उच्च शिक्षा व योग्यता तभी उपयोगी है, जब व्यक्ति समाज व राष्ट्र के हित में उसका उपयोग करें। कर्त्तव्य बोध की भावना से परिपूर्ण व्यक्ति ही अपने उत्तरदायित्वों के निर्वहन में खरे उतरते हैं। सचमुच में ऐसे व्यक्ति ही सही अर्थ में राष्ट्र–सेवक होते हैं। एक शिक्षक कितना ही विद्वान क्यों न हो अगर उसमे अपने विद्यार्थियों के प्रति कर्तव्य–बोध न हो तो वह कभी भी राष्ट्र–निर्माता नहीं हो सकता।

प्रश्न– अ. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

ब. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

स. उच्च शिक्षा व योग्यता कब उपयोगी है?

उत्तर– अ. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है– कर्तव्य बोध।

ब. सारांश– कर्त्तव्यबोध से युक्त व्यक्ति ही समाज व राष्ट्र के लिये उपयोगी है ऐसे व्यक्ति ही सही अर्थ में राष्ट्र सेवक होते हैं। एक शिक्षक विद्वान होते हुए भी कर्त्तव्यबोध के अभाव में राष्ट्र–निर्माता नहीं बन सकता।

स. उच्च शिक्षा व योग्यता तभी उपयोगी है जब वह समाज व राष्ट्र के लिये उपयोग की जा सके।

गद्यांश – 07

स्वस्थ्य शरीर के साथ ही स्वस्थ्य मनोरंजन भी मनुष्य के लिए आवश्यक है। खेल ऐसी क्रिया है जिससे न केवल शरीर का विकास होता है अपितु मनोरंजन भी प्राप्त होता है। यही कारण है कि सभ्यता के आदिकाल

से ही मानव समाज में खेलों का प्रचलन रहा है। आज से पचास हजार वर्ष पूर्व की मानव सभ्यता को दर्शाने वाले भित्ति–चित्र प्राचीन गुफाओं में देखने को मिलते हैं। भारतीय खेलों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन्हें बिना किसी खर्च के खेला जा सकता है। इन खेलों में कबड्डी, खो–खो आदि प्रसिद्ध है। प्रसन्नता की बात है कि कबड्डी व खो–खो को अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता प्राप्त हो गई है।

प्रश्न– अ. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।
ब भारतीय खेलों की सबसे बड़ी विशेषता क्या है?
स. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

उत्तर– अ. ''खेलों का महत्व''
ब. भारतीय खेलों की सबसे बड़ी विशेषता है कि इन्हें बिना किसी खर्च के खेला जा सकता है।
स. सारांश– खेलों के द्वारा न केवल मनोरंजन होता बल्कि शरीर भी स्वस्थ रहता है यही कारण है कि आदिकाल से ही खेलों की परम्परा रही है। इस क्रम में भारितीय खेलों जैसे– कबड्डी,खो–खो आदि को बिना किसी खर्च के भी खेला जा सकता है। प्रसन्नता की बात है कि इन खेलों को अंतराष्ट्रीय स्तर भी मान्यता प्राप्त हो गई है।

गद्यांश – 08

एकल परिवारों के चलन से मित्रता का महत्व और अधिक बढ़ा है। संयुक्त परिवारों के अभाव में विपरीत परिस्थितियाँ मित्रता की माँग करती हैं। चूंकि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, अतः उसके सामाजिक विकास में मित्र की अहम् भूमिका रहती है। परिचित तो बहुत होते हैं, पर मित्र बहुत कम हो पाते हैं, क्योंकि मैत्री एक ऐसा भाव जिसमें प्रेम के साथ समर्पण और त्याग की भावना मुख्य होती है। मैत्री में सबसे आवश्यक है–परस्पर विश्वास।

प्रश्न– अ. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।
ब. मित्रता का महत्व अब क्यों बढ़ गया है?
स. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

उत्तर– अ. ''मित्रता का महत्व''
ब. एकल परिवारों के चलने से मित्रता का महत्व अधिक बढ़ गया है
स. वर्तमान में संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल रहे हैं। फलतः विपरीत परिस्थतियों में मित्रता ही सहयोगी होती है। मैत्री एक ऐसा भाव है, जिसमें प्रेम, समर्पण और त्याग की भावना मुख्य होती है मैत्री में परस्पर विश्वास अत्यंत आवश्यक है।

गद्यांश – 09

विद्यार्थियों में अनुशासनहीनता की कथित समस्या का समाधान एक ही प्रकार से हो सकता है कि उन्हें जीवन की जिम्मेदारियों का अनुभव कराया जाए। अनुशासनहीनता से होने वाली हानियों एवं राष्ट्रीय क्षति से उन्हें परिचित कराया जाए। विद्यालय की जिम्मेदारियों को पूरा करने में उसे सहभागी बनाया जाए। अनुशासन, अध्ययन एवं आदर्श नागरिकता के गुणों का इनमें विकास किया जाए, तो कोई कारण नहीं विद्यार्थियों में असंतोष भड़के। आज का विद्यार्थी देश की वर्तमान स्थिति एवं समस्याओं से अप्रभावित नहीं रह सकता। विद्यार्थियों को बदलती हुई परिस्थियों से परिचित कराते हुए उनमें चरित्र निर्माण के लिए उदारता, त्याग, सेवा, विनय आदि गुणों से विभूषित किया जाये तो अनुशासनहीनता की समस्या का स्वतः समाधान हो जाएगा।

प्रश्न– अ. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।
ब. विद्यार्थियों में अनुशासनहीनता दूर करने का उपाय लिखिए।
स. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

उत्तर– अ. अनुशासनहीनता की समस्या।
ब. जीवन की जिम्मेदारियों का अनुभव करवा कर अनुशासनहीनता को दूर किया जा सकता है।

स. सारांश– विद्यार्थी को जीवन की जिम्मेदारियों का अनुभव करवा कर एवं विद्यालय के दायित्व सौंपकर अनुशासन की समस्या का समाधान किया जा सकता है। आदर्श नागरिक के गुणों को विकसित कर उदारता, त्याग, सेवा, विनय आदि गुणों से विभूषित करने पर अनुशासनहीनता की समस्या का स्वतः समाधान हो जाएगा।

(33) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 से 250 शब्दों मे सारगर्भित निबंध लिखिए

(1) जल ही जीवन है (2) विज्ञान के बढ़ते चरण (3) पर्यावरण प्रद्रूषण
(4) जीवन में खेलों का महत्व (5) इन्टरनेट आधुनिक जीवन की आवश्यकता (6) समाचार पत्र
(7) वन संरक्षण (8) आधुनिक भारत में नारी (9) कोविड–19 से बचाव
(10) पुस्तकालय का महत्व (11) विद्यार्थी जीवन (12) स्वच्छ भारत अभियान
(13) साहित्य और समाज (14) वर्तमान में कम्प्यूटर की उपयोगिता (15) क्रिकेट मैच का आँखों देखा वर्णन

(34) ऊपर दिए गए निबन्ध विषयों में से किसी एक विषय की रूपरेखा लिखिए।

उत्तर – रूपरेखा

(1) स्वच्छ भारत अभियान

- प्रस्तावना
- महात्मा गांधी जी का स्वच्छ भारत का स्वप्न
- प्रधानमंत्री मोदी द्वारा स्वच्छ भारत अभियान का शुभारंभ
- समग्र स्वच्छता अभियान
- शुभपरिणाम
- उपसंहार

(2) क्रिकेट मैच का आंखों देखा वर्णन

- प्रस्तावना
- खेल की अविध
- खेल का जीवन में महत्व
- खेल की रचना और पूर्व तैयारी
- आंखों देखा वर्णन
- उपसंहार

(3) विद्यार्थी जीवन –

- प्रस्तावना
- विद्यार्थी जीवन का महत्व
- विद्यार्थी के लक्षण
- आधुनिक विद्यार्थी जीवन
- अनुशासनहीनता के कारण
- उपसंहार

(4) समाचार पत्रों का महत्व

- प्रस्तावना
- समाचार–पत्र का अर्थ
- समाचार पत्रों के रूप
- समाचार पत्र का महत्व

- समाचार पत्रों से हानि
- उपसंहार

(5) पर्यावरण प्रदूषण

- प्रस्तावना
- वैज्ञानिक प्रगति और प्रदूषण
- प्रदूषण का घातक प्रभाव
- पर्यावरण शुद्धि
- उपसंहार

(6) पुस्तकालय का महत्व

- प्रस्तावना
- पुस्तकालय का स्वरूप
- पुस्तकालय का महत्व
- पुस्तकालय से लाभ
- उपसंहार

(7) विज्ञान के चमत्कार

- प्रस्तावना
- विज्ञान वरदान के रूप में
- विविध क्षेत्रो में विज्ञान
  - (i) चिकित्सा के क्षेत्र में
  - (ii) उद्योग एवं विज्ञान
  - (iii) आवागमन के क्षेत्र में
  - (iv) खाद्यान एवं विज्ञान
  - (v) शिक्षा के क्षेत्र में विज्ञान
  - (vi) भवन निमार्ण के क्षेत्र में
  - (vii) संचार के क्षेत्र में
- विज्ञान अभिशाप के रूप में
- उपसंहार

(8) साहित्य और समाज

- प्रस्तावना
- साहित्य और समाज का संबंध
- साहित्य का समाज पर प्रभाव
- समाज का साहित्य पर प्रभाव
- उपसंहार

शिक्षकों एवं समग्र शिक्षा अभियान की टीम के प्रयासों द्वारा मण्डल की बोर्ड परीक्षा के लिये कक्षा 10वीं विषय हिन्दी हेतु विद्यार्थियों के लिये परीक्षा उपयोगी समाग्री तैयार करने पर पूरी टीम को लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा आभार ज्ञापित किया जाता है।

समग्र शिक्षा अभियान (सेकेण्डरी एजुकेशन) लोक शिक्षण संचालनालय, (म.प्र.)